राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 14 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-349 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाकुंभ में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब...हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए,

जय श्री राम के जयघोष से गूंजा आसमान, 44 घाटों पर स्नान

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम- हेलिकॉप्टर और एनएसजी कमांडो महाकुंभ में आए लोगों पर रख रहे हैं नजर

प्रयागराज ।

भव्य महाकुंभ 2025 आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक एकता के जबरदस्त प्रदर्शन के साथ सोमवार को शुरू हुआ है। जिसने आज 144 वर्षों में एक बार देखी गई आध्यात्मिक भव्यता की याद ताजा कर दी। यहां देश और दुनिया भर से भक्तों का एक समूह न केवल जप, ध्यान और आध्यात्मिक तृप्ति के लिए एकत्र हुआ, बल्कि महाकुंभ की बेजोड़ सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करने के लिए भी एकत्र हुआ। पौष पूर्णिमा पर सोमवार को पहला स्नान हुआ। दोपहर 4 बजे तक 44 घाटों पर डेढ़ करोड़ श्रद्धालु डुबकी लगा चुके हैं। भक्तों पर हेलिकॉप्टर से 20 क्विंटल फूलों की वर्षा की गई। महाकुंभ 144 साल में दुर्लभ खगोलीय संयोग में हो रहा है। देश के कोने-कोने से भक्त प्रयागराज आए हैं। भीड़ इतनी है कि 3700 लोग अपनों से बिछड़ गए। बाद में खोया-पाया केंद्र से अनाउंसमेंट कर ज्यादातर लोगों को उनके परिवार वालों से मिलवाया गया। हेलिकॉप्टर और एनएसजी कमांडो महाकुंभ में आए लोगों पर नजर रख रहे हैं। 60 हजार जवान सुरक्षा और व्यवस्था संभालने में लगे हैं। पुलिसकर्मी स्पीकर से लाखों की संख्या में आई भीड़ को मैनेज कर रहे हैं। जगह-जगह कमांडो और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान भी तैनात हैं। विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी तादाद में कुंभ में स्नान करने पहुंचे। प्रशासन के मुताबिक, जर्मनी, ब्राजील, रूस समेत 20 देशों से भक्त पहुंचे हैं।

सोमवार से ही श्रद्धालु 45 दिन का कल्पवास शुरू करेंगे।

स्थायी और अस्थायी घाटों पर भारी भीड़

पवित्र नगरी प्रयागराज में संगम नोज समेत स्थायी और अस्थायी घाटों पर भारी भीड़ है। कई भक्तों को दिव्य वातावरण से अभिभूत, नम आंखों के साथ देखा गया। वहीं कई लोग प्रार्थना, अनुष्ठान और एकता की भावना में डूबे रहे। दो दिन पहले ही लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान करना शुरू कर दिया था, जो दर्शाता है कि 45 दिवसीय महाकुंभ 2025 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगाए गए भीड़ के अनुमान को पार कर सकता है।

आस्था से विदेशी सराबोर: कोई बना नागा साधू तो किसी ने खुद को बताया पिछले जन्म का भारतीय

प्रयागराज। इटली से आई एमा और उनके दो दोस्तों के लिए महाकुंभ का अनुभव कुछ विशेष है। एमा, जो योग शिक्षिका हैं, भारत की संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रति गहरी रुचि रखती हैं, ने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि मैं अपने पिछले जन्म में भारतीय थी। भारतीय संगीत, भजन और कीर्तन मुझे बहुत पसंद हैं। महाकुंभ में यहां की व्यवस्था अद्भुत है। एमा और उनके दोस्त इस बार कुंभ में भाग लेने आए हैं और दुनिया के सबसे बड़े सामूहिक स्नान का अनुभव करना चाहते हैं। एमा के साथी पिएत्रो और स्टीफानो भी इस यात्रा से प्रभावित हैं। पिएत्रो ने कहा, मैं योग साधक हूं और भारतीय संस्कृति का थोड़ा ज्ञान है। कुंभ मेला सनातन धर्म का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है। स्टीफानो ने बताया, मेरे रूसी दोस्तों ने इस आयोजन के बारे में जो अनुभव साझा किए, उसने मुझे यहां आने के लिए प्रेरित किया। इस साल महाकुंभ में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है, जो गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम में अमृत स्नान करेंगे।महाकुंभ, जो हर 12 साल में एक बार आयोजित होता है, आज से पौष पूर्णिमा स्नान के साथ शुरू हो गया है। इस बार महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ लोग शामिल होने की उम्मीद है। संगम के तट पर गंगा, यमुना और सरस्वती के मिलन स्थल पर एक विशाल मेला स्थल तैयार किया गया है, जहां देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु आकर पवित्र स्नान करेंगे। महाकुंभ में सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए हैं।

पहला कॉलम

महाकुंभ 2025 का आयोजन, रेलवे ने 20 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाई

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का आयोजन सोमवार से शुरू हो गया है। आस्था के इस पावन पर्व में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षित यात्रा और उनके आवागमन को सुविधाजनक बनाने के मकसद से भारतीय रेलवे ने हजारों ट्रेनों के संचालन का ऐलान किया है। इसी कड़ी में महाकुंभ के पहले दिन 20 से ज्यादा स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं। इसमें बनारस-प्रयागराज, गोरखपुर-झूंसी से लेकर छपरा-प्रयागराज तक शामिल हैं। महाकुंभ 2025 की शुरुआत प्रयागराज में जोर-शोर से हो चुकी है। योगी सरकार ने जहां कुम्भ स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर चाक-चौबंद इंतजाम किए हैं, वहीं भारतीय रेलवे भी पूरे दम-खम के साथ महाआयोजन में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा को आसान बनाने के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया है।

40 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

प्रयागराज में शुरु हुआ महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान करीब 40 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। बात करें, प्रमुख स्नानों की तब 15 जनवरी को मकर संक्रांति स्नान, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या का शाही स्नान होगा, जबकि 3 फरवरी को बसंत पंचमी स्नान और 12 फरवरी माघी पूर्णिमा स्नान आयोजित होगा। इसके बाद 26 फरवरी को महा शिवरात्रि स्नान के साथ इस इस महाआयोजन का समापन होगा।

कैसे सनातन धर्म से जुड़कर अमेरिकी सैनिक माइकल से बने बाबा मोक्षपुरी

बेटे की मौत के बाद संस्कृति और योग ने मुझे ताकत दी

प्रयागराज । महाकुंभ 2025 ने भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के संतों और आध्यात्मिक गुरुओं को अपनी ओर आकर्षित किया है। इसमें से एक नाम है अमेरिका के न्यू मैक्सिको में जन्मे बाबा मोक्षपुरी का भी जुड़ गया है। उन्होंने प्रयागराज के पवित्र संगम पर अपनी उपस्थिति से सभी का ध्यान खींचा है। कभी अमेरिकी सेना में रहे माइकल अब बाबा मोक्षपुरी बन गए हैं। उन्होंने आध्यात्मिक यात्रा और सनातन धर्म से जुड़ने की कहानी साझा की। बाबा मोक्षपुरी बताते हैं कि मैं भी कभी साधारण व्यक्ति था। परिवार और पत्नी के साथ समय बिताना और घूमना मुझे पसंद आता था। सेना में भी शामिल हुआ। लेकिन एक समय ऐसा आया जब मैंने महसूस किया कि जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है। तभी मैंने मोक्ष की तलाश में अनंत यात्रा की शुरुआत की। आज वे जूना अखाड़े से जुड़े हैं और अपना पूरा जीवन सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित कर चुके हैं। अमेरिका में पैदा हुए बाबा मोक्षपुरी ने साल 2000 में पहली बार अपने परिवार (पत्नी और बेटे) के साथ भारत यात्रा की। मोक्षपुरी बताते हैं कि वह यात्रा मेरे जीवन की सबसे यादगार घटना थी। तभी मैंने ध्यान और योग को जाना और पहली बार सनातन धर्म के बारे में गहराई से समझा। भारतीय संस्कृति और परंपराओं ने मुझे अंदर की गहराई से प्रभावित किया। यह मेरी आध्यात्मिक जागृति का प्रारंभ था, जिसे मैं अब ईश्वर का आह्वान मानता हूं। बाबा मोक्षपुरी के जीवन में बड़ा बदलाव तब आया जब उनके बेटे का अचानक निधन हो गया। उन्होंने कहाकि दुखद घटना ने मुझे यह समझने में मदद की कि जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है। इस भयावक दुख के दौरान मैंने ध्यान और योग को अपनी शरणस्थली बनाया, जिसने मुझे इस कठिन समय से बाहर निकाला। उसके बाद बाबा मोक्षपुरी ने योग, ध्यान और अपने अनुभवों से मिली आध्यात्मिक समझ को समर्पित कर दिया। वे अब दुनिया भर में घूमकर भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की शिक्षाओं का प्रचार कर रहे हैं। 2016 में उज्जैन कुंभ के बाद से उन्होंने हर महा कुंभ में भाग लेने का संकल्प लिया है।

पीएम मोदी ने सोनमर्ग सुरंग का किया उद्घाटन

-लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के बीच हर मौसम में रहेगी कनेक्टिविटी

श्रीनगर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले को आज सोमवार को एक बड़ी सौगात दे दी है। दरअसल पीएम मोदी ने सोनमर्ग और गगनगीर को जोड़ने वाली सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन किया है। यह जेड-मोड़ टनल 8,650 फीट की ऊंचाई पर स्थित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन किया। सुरंग के उद्घाटन से सोनमर्ग पर्यटकों के लिए पूरे साल खुला रहेगा। इसके साथ ही श्रीनगर से कारगिल-लेह तक की यात्रा का समय भी कम होगा। यहां बताते चलें कि सोनमर्ग सुरंग लद्दाख और जम्मू-कश्मीर के बीच हर तरह के मौसम में सुगम और सुरक्षित कनेक्टिविटी को देखते हुए तैयार की गई है। इसे आज पीएम मोदी ने

उद्घाटित कर जम्मू-कश्मीर समेत देश को एक बड़ा तोहफा दिया है।

पीएम मोदी के कश्मीर दौरे से पूर्व घाटी में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ाते हुए सुरक्षा इंतजामों को सख्त कर दिया गया। इस बीच प्रधानमंत्री मोदी आज सोमवार को गांदरबल जिले में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन करने के लिए जम्मू-कश्मीर दौरे पर पहुंचे। पीएम मोदी की सुरक्षा टीम के एसपीजी कमाडों ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा का जिम्मा पहले ही संभाल लिया था। बताते चलें कि जम्मू-कश्मीर पुलिस, अर्धसैनिक बल और सेना सोमवार के उद्घाटन के लिए सुरक्षा तंत्र का हिस्सा बनी।

हिन्दू राष्ट्र बनाने का बिगुल केवल ओडिशा से ही बज सकता

बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने दिया बड़ा बयान

भुवनेश्वर।

बागेश्वर धाम के प्रमुख बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने फिर से हिन्दू राष्ट्र के निर्माण का आह्वान किया है। पुरी की अपनी यात्रा के दौरान, धीरेंद्र शास्त्री ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने के साथ ही हिन्दू राष्ट्र बनने को लेकर बड़ा बयान दिया है। धीरेंद्र शास्त्री कहना है कि अब समय आ गया है कि सभी हिन्दू एक कारण के लिए एक साथ आएं। हिन्दू राष्ट्र बनाने का बिगुल केवल ओडिशा से ही बज सकता है। पत्रकारों से बात कर उन्होंने कहा कि ओडिशा आध्यात्मिक राज्य है। भगवान जगन्नाथ की पूजा करने के बाद मेरा हृदय गदगद हो जाता है। मैं महाप्रसाद पाकर आत्मविभोर हो गया। हिन्दू राष्ट्र के गठन का बिगुल केवल ओडिशा से ही बज सकता है। किसी भी परिस्थिति में हमें ओडिशा के सभी हिंदुओं के समर्थन की आवश्यकता है।

धीरेंद्र ने कहा, हिन्दू राष्ट्र के अपने सपने को साकार करने के लिए हमें हर उड़िया हिन्दू के समर्थन की आवश्यता है। आप हमारा समर्थन करें। हम आपको हिन्दू राष्ट्र बनाकर देने वाले है। हम सब मिलकर हिन्दू राष्ट्र का निर्माण करने वाले है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों पर आर-पार, आप ने पूछा....हसीना को कहां छुपा रखा

बीजेपी ने बीते 10 साल में अवैध बांग्लादेशियों को बसाया

नई दिल्ली।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान ही बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा जोर पकड़ता जा रहा है। हाल ही में आम आदमी पार्टी के दो विधायकों पर बांग्लादेशियों के फर्जी आधार कार्ड मामले में शामिल होने का आरोप लगा है। इस मामले को लेकर राजनीति तेज हो गई है, इसके बाद अब आम आदमी पार्टी ने पलटवार किया है।

आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने दिल्ली में घुसपैठियों के मुद्दे पर शेख हसीना का नाम लेकर केंद्र की मोदी सरकार को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बीजेपी ने देश के अलग-अलग हिस्सों में अवैध बांग्लादेशियों को बसाने का काम किया है। उन्होंने सवाल किया कि साढ़ें 10 साल से बांग्लादेश की सीमा से बंगाल, असर, त्रिपुरा, झारखंड, बिहार यूपी पार कर के बांग्लादेशी और रोहिंग्या दिल्ली कैसे आ गए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा, शेख हसीना कहां है? हसीना को कहां छुपा रखा है, कहां बसा रखा है। इसके साथ उन्होंने बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को दिल्ली में बसाने के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी से पूछताछ करने की बात कही है। उन्होंने कहा, पुरी ने खुद कबूल किया है कि उन्होंने दिल्ली में रोहिंग्या को बसाया है, केंद्रीय मंत्री से पूछताछ की जाए कि उन्होंने दिल्ली में रोहिंग्या को कहां-कहां बसाया है? आप नेता सिंह ने कहा, बीते साढ़े 10 साल से केंद्र में बीजेपी के ही गृह, रक्षा और विदेश मंत्री हैं। बीजेपी की केंद्र सरकार ने देश की सीमाओं को कमजोर करके बांग्लादेशी और रोहिंग्या को बसाया है। संजय सिंह ने कहा, बीजेपी के दो नेताओं ने आरोप लगाया कि कि महेंद्र गोयल और जय भगवान ने बांग्लादेशियों का आधार कार्ड बनाया। लेकिन इन्हें जो नोटिस मिला वे आरोपी के तौर पर नहीं बल्कि गवाह के तौर पर मिला है। जबकि बीजेपी आप को बदनाम करने के लिए षडंयत्र में लगी है। उन्होंने कहा, यह नोटिस गोयल से पहले बीजेपी के पास पहुंच गया। इसका मतलब यह है कि यह नोटिस बीजेपी के ऑफिस में तैयार किया गया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव : राहुल गांधी ने कांग्रेस के प्रचार अभियान का सीलमपुर से किया आगाज़

नई दिल्ली।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान का आगाज़ सीलमपुर से कर दिया है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में आयोजित एक जनसभा में उन्होंने कांग्रेस के लिए वोट मांगे और जनता से केंद्र में भाजपा तो दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकारों को बदलने का आह्वान किया।

इस रैली का आयोजन जय बापू, जय भीम, जय संविधान थीम के तहत किया गया था, जिसमें संविधान, सामाजिक न्याय और विकास पर जोर दिया गया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा, कि यह चुनाव दिल्ली की जनता के हक और संविधान की रक्षा के लिए है। कांग्रेस दिल्ली को फिर से एक बेहतर और सुरक्षित राजधानी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी काजी निज़ामुद्दीन ने कहा, कि राहुल गांधी जहां भी जाते हैं, जनता के मुद्दों को उठाने में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। दिल्ली में उनकी यह पहली रैली पार्टी के लिए अहम है और इसे सफल बनाने के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुटे हैं। यहां बताते चलें कि सीलमपुर की यह

रैली कांग्रेस के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कांग्रेस का प्रयास है कि इस क्षेत्र में अपने पारंपरिक जनाधार को फिर से मजबूत किया जाए। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 5 फरवरी को होगा, जबकि मतगणना 8 फरवरी को होगी। राहुल गांधी की इस रैली के साथ ही कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रचार अभियान को गति दे दी है और उम्मीद की जा रही है कि इससे पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी।

मंदिर के निर्माण में करीब 200 से 250 करोड़ रुपए की लागत आई

नवी मुंबई में बनकर तैयार हुआ इस्कॉन मंदिर, 15 को पीएम मोदी के हाथों लोकार्पण

नवी मुंबई ।

नवी मुंबई के खारघर में स्थित इस्कॉन मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। यह मंदिर करीब 9 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें से 2.5 एकड़ क्षेत्र में भव्य मंदिर बना है। 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों इस भव्य मंदिर का लोकार्पण होगा। इससे पहले, 9 जनवरी से यहां सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आगाज हो चुका है। भजन सम्राट अनूप जलोटा भी अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। इसके अलावा, अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी भी कार्यक्रम में शामिल होने वाली हैं। मंदिर के पुजारी ने बताया कि पहले जब वे गीता का प्रचार करने के लिए दूर-दूर से आते थे, तब लोगों ने उन्हें यहां एक मंदिर बनाने की सलाह दी थी। इसके बाद, उन्होंने सिडको से जमीन लेकर मंदिर बनाने का काम शुरू किया। मंदिर के निर्माण में करीब 200 से 250 करोड़ रुपए की लागत आई है और अब यह भव्य मंदिर तैयार हो चुका है।

इस्कॉन मंदिर के महाराज सुर दास महाराज ने बताया, जब मैं प्रचार करता था, तब लोग मुझसे कहते थे कि आप प्रचार करने के लिए आते हैं, तब यहां एक मंदिर भी बनवा दीजिए। मैंने सोचा कि यह सब कैसे होगा? जमीन बहुत महंगी है। लोग बोले, सेठ के पास जाइए, तब मैंने आवेदन किया। यह प्रक्रिया सात साल तक चली और उसके बाद हमें जमीन मिली। तब 3,500-4,000 करोड़ रुपए जमीन में लगे थे। अब तक पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 200 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इस मंदिर को बनाने में भक्तों का बहुत योगदान है, जिनकी मदद से हम ये मंदिर बना पाए। मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इस मंदिर के निर्माण में सहयोग किया।

महाराज ने कहा, हमारे अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावना संघ का क्षेत्र लगभग नौ एकड़ में फैला हुआ है, इसमें पांच एकड़ में सुंदर बाग़ीचा तैयार किया है। आजकल मुंबई में हरियाली की कमी है, लेकिन हम लोगों ने मंदिर के अंदर हरियाली बढ़ाई है। यहां

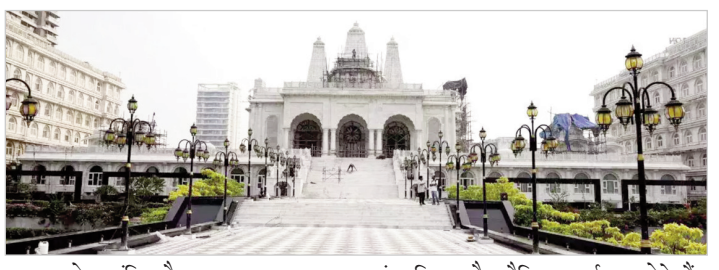

आकर लोग शांति और शुद्ध वातावरण का अनुभव करते हैं। इस स्थान पर ठाकुर जी राधा-मदनमोहन, ललिता-विशाखा, सीता-राम और हनुमान जी का विग्रह स्थापित होगा और यह स्थान सभी भक्तों को आशीर्वाद देगा।

उन्होंने कहा कि, हमारे यहां बहुत सारे सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम होते हैं, जिसमें आप भी भाग ले सकते हैं। हमारे आयुर्वेदिक कॉलेज में भागवत गीता, भागवतम और आत्मज्ञान से संबंधित अन्य ग्रंथों की शिक्षा दी जाती है। यहां एक सुंदर भोजनालय भी है, जो प्रभुपाद जी ने गोविंदाज नाम से स्थापित किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आस्था और विश्वास का संगम है गंगासागर

गंगासागर में मकर संक्रान्ति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता के कारण लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष तौर कपिल मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनी के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेंना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरुप कपिलमुनी का जन्म हुआ जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया।

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

भारत में सबसे पवित्र गंगा नदी गंगोत्री से निकल कर पश्चिम बंगाल में सागर से मिलती है। गंगा का जहां सागर से मिलन होता है उस स्थान को गंगासागर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को सागरद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। गंगासागर सिर्फ एक तीर्थस्थल नहीं है। यह भावना, संस्कृति, आस्था और विश्वास का संगम है। जीवन का उत्सव है। धर्म हमेशा से ही इस भूमि की संस्कृति में समाया हुआ है। कुम्भ मेले को छोडकर देश में आयोजित होने वाले अन्य सभी मेलों में गंगासागर का मेला सबसे बड़ा मेला होता है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में इसकी चर्चा मोक्षधाम के तौर पर की गई है। जहां मकर संक्रान्ति के मौके पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लेकर आते हैं और सागर-संगम में डुबकी लगाते है।

मान्यता के अनुसार साल की 12 संक्रान्तियों में मकर संक्रान्ति का सबसे महत्व ज्यादा है। इस दिन सूर्य मकर राशि में आता हैं और इसके साथ देवताओं का दिन शुरु हो जाता है। गंगासागर के संगम पर श्रद्धालु समुद्र को नारियल और यज्ञोपवीत भेंट करते हैं। समुद्र में पूजन एवं पिण्डदान कर पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में स्नान-दान का महत्व शास्त्रों में विस्तार से बताया गया है। मेले में आये लोग कपिल मुनि के आश्रम में उनकी मूर्ति की पूजा करते हैं। मन्दिर में गंगा देवी, कपिल मुनि तथा भागीरथ की मूर्तियां स्थापित हैं।

मकर संक्रांति पर जैसे ही सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। लाखों तीर्थयात्री पवित्र संगम पर डुबकी लगाते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन गंगासागर में जो श्रद्धालु एक बार स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय दान करने का फल मिलता है। गंगासागर की तीर्थयात्रा सैकड़ों तीर्थयात्राओं के समान मानी जाती है।

पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ हैं। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

सुन्दरवन निकट होने के कारण गंगासागर मेले को कई विषम स्थितियों का सामना करना पड़ता है। तूफान व ऊंची लहरें हर वर्ष मेले में बाधा डालती हैं। इस द्वीप में ही रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है। यहां दलदल, जलमार्ग तथा छोटी छोटी नदियां, नहरें भी है। बहुत पहले इस स्थान पर गंगा जी की धारा सागर में मिलती थी। किंतु अब इसका मुहाना पीछे हट गया है। अब इस द्वीप के पास गंगा की एक बहुत छोटी सी धारा सागर से मिलती है। यह मेला पांच दिन चलता है। इसमें स्नान मुहूर्त तीन दिनों का होता है। यहां अलग से गंगाजी का कोई मंदिर नहीं है। मेले के लिये एक स्थान निश्चित है। कहा जाता है कि यहां स्थित कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर सागर की लहरें बहा ले गयी थी। मन्दिर की मूर्ति अब कोलकाता में रहती है और मेले से कुछ सप्ताह पूर्व यहां के पुरोहितों को पूजा अर्चना के लिये मिलती है।

गंगासागर में मकर संक्रान्ति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता के कारण लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष तौर कपिल मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनी के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेंना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरुप कपिलमुनी का जन्म हुआ जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया। आगे चल कर गंगा और सागर के मिलन स्थल पर कपिल मुनि आश्रम बना कर तप करने लगे।

इस दौरान राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ आयोजित किया। इस के बाद यज्ञ के अश्वों को स्वतंत्र छोड़ा गया। परिपाटी है कि ये जहां से गुजरते हैं वे राज्य अधीनता स्वीकार करते है। अश्व को रोकने वाले राजा को युद्ध करना पड़ता है। राजा सगर ने यज्ञ अश्वों के रक्षा के लिए उनके साथ अपने 60 हजार पुत्रों को भेजा। अचानक यज्ञ अश्व गायब हो गया। खोजने पर यज्ञ का अश्व कपिल मुनि के आश्रम में मिला। फलतः सगर पुत्र साधनरत ऋषि से नाराज हो उन्हे अपशब्द कहने लगे। ऋषि ने नाराज हो कर उन्हे शापित करते हुये अपने नेत्रों के तेज से भस्म कर दिया। मुनि के श्राप के कारण उनकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी वर्षों के बाद राजा सगर के पौत्र राजा भागीरथ कपिल मुनि से माफी मांगने पहुंचे। कपिल मुनि राजा भागीरथ के व्यवहार से प्रसन्न हुए। उन्होने कहा कि गंगा जल से ही राजा सगर के 60 हजार मृत पुत्रों का मोक्ष संभव है। राजा भागीरथ ने अपने अथक प्रयास और तप से गंगा को धरती पर उतारा। अपने पुरखों के भस्म स्थान पर गंगा को मकर संक्रान्ति के दिन लाकर उनकी आत्मा को मुक्ति और शांति दिलाई। यही स्थान गंगासागर कहलाया। इसलिए यहां स्नान का इतना महत्व है।

गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहाँ कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर गंगा नदी का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है। इस सुंदर द्वीप के ज्यादातर क्षेत्र में घने जंगल है। कपिल मुनि के मंदिर, आश्रम के अलावा यहाँ महादेव मंदिर, शिव शक्ति-महानिर्वाण आश्रम, भारत सेवाश्रम संघ का मंदिर, धर्मशालायें भी है।

गंगासागर वास्तव में एक टापू है जो गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है। यहां बंगला भाषी आबादी रहती है। यह पूरी तरह से ग्रामीण ईलाका है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के रहने के लिए यहां पर होटल, आश्रम व धर्मशालायें है। अब पूरे वर्ष लोग यहां लोगों का आवागमन लगा रहता है। कोलकाता से पूरे मार्ग में सडक बनी हुयी है मात्र 5 किलोमीटर पानी में नाव का सफर करना पड़ता है। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन 14 व 15 जनवरी को मुख्य मेला लगता है। जिसमें लाखों लोग स्नान और पूजा करने आते हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली मुरी गंगाा नदी पर चार साल में पांच किलोमीटर लंबा गंगासागर सेतु बनाएगी। जिसके निर्माण पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाला गंगासागर मेला 17 जनवरी तक चलेगा। इस साल देश भर से 50 लाख से अधिक लोगों के मेले में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिज बनने से श्रद्धालु जलमार्ग की बजाय सड़क मार्ग से कचुबेरिया तक आ सकेगें। गंगासागर मेला किसी भी तरह कुम्भ मेले से कम नहीं है। यहां दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। इस कारण गंगासागर मेले को भी कुंभ मेले जैसा दर्जा मिलना चाहिये। ताकि यहां के विकास के लिये कुम्भ मेले की तरह अलग से बजट उपलब्ध हो सके।

संपादकीय

धधकता लॉस एंजेलिस

लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फैलने और भारी जन-धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। जंगल की आग ने भड़कने के बाद कई शहरी इलाकों को चपेट में ले लिया। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों व सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब बारह लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर-बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल-फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा-तफरी से जगह-जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़-पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने की आशंका बनी रहती है। बारिश की कमी से सूखा और तेज हवाएं आग में घी का काम करती हैं। मौसम का गरम रहना व बारिश की कमी भी आग के लिए ज्वलनशील परिस्थितियां बनाते हैं। इस बार आग को भड़काने में सौ मील प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली सेंटा एना हवाओं की भी बड़ी भूमिका रही है। इस बार ये हवाएं असामान्य रूप से बहती रही हैं। इलाके में राख के बारीक कणों व धुएं की चादर के कारण स्थानीय स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित की गई है।

जानिए महाकुंभ का रहस्य

(लेखक -डॉ. श्रीगोपाल नारसन)

- चीनी यात्री ह्यान-सेंग ने 600 ईसवी के प्रयागराज महाकुंभ में किया था संगम स्नान! प्रयागराज महाकुंभ के मीडिया सेंटर का उदघाटन हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया है।उन्होंने महाकुंभ की विशेषताओं का वर्णन करते हुए महाकुंभ में डेढ़ लाख टॉयलेट,70 हजार बिजली के खम्बे,बेहिसाब लाइटिंग,800 बसों का संचालन और मां की रसोई में मात्र 9 रुपये में शुद्ध सात्विक भरपेट खाने जैसे व्यवस्था गिनाई है।उत्तर प्रदेश सूचना एवं लोकसंपर्क विभाग ने महाकुंभ 2025 की भव्य लाइव कवरेज के लिए यहां एक ऐसा दिव्य मीडिया सेंटर बनाया है जो न सिर्फ पूरी तरह से सुसज्जित है बल्कि देश विदेश से आने वाले मीडियाकर्मियों के लिए सुव्यवस्थित समाचार प्रेषण तकनीकी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। महाकुंभ को अलौकिक, दिव्य व भव्य बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माना कि सुरक्षित कुंभ हम सबके लिए एक चुनौती है।इस कुंभ में श्रद्धालुओं को शानदार सड़के,धर्म और आस्था से ओतप्रोत कलाकृतियां, विभिन्न वेशभूषाओं से सुसज्जित सन्तो के अखाड़े,संगम में दूर तक फैले रेगिस्तान पर योग साधना के बड़े बड़े वातानुकूलित कक्ष, प्रेरक उपदेश व प्रवचनों की श्रंखला को दिव्यता का रूप दे रही है। हिंदू धर्म का यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है। जिसमें करोड़ों श्रद्धालु कुंभ का स्नान करने और अपनी आस्था लेकर आ रहे है।

प्रयागराज, हरिद्वार,उज्जैन और नासिक में जब भी महाकुम्भ या कुंभ होता है, श्रद्धालु बड़ी संख्या कुंभ स्नान करते हैं। इन पांचो मे से प्रत्येक स्थान पर प्रति बारहवें वर्ष महाकुम्भ का आयोजन होता है। हरिद्वार और प्रयागराज में दो महाकुंभ पर्वों के बीच छह वर्ष के अंतराल में अर्धकुंभ भी होता है।प्रयागराज में इससे पूर्व सन 2013 में महाकुम्भ में हुआ था।फिर सन 2019 में प्रयागराज में अर्धकुंभ हुआ था और अब महाकुंभ की छटा हम सबको लुभा रही है। यह महाकुम्भ मेला मकर संक्रांति के दिन प्रारम्भ होता है।क्योंकि उस समय सूर्य और चन्द्रमा, वृश्चिक राशी में और वृहस्पति, मेष राशी में प्रवेश करते हैं। मकर संक्रांति के इस योग को महाकुम्भ स्नान-योग भी कहते हैं और इस दिन को विशेष मंगलिक पर्व माना जाता है। कहा जाता है कि पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार इस दिन ही खुलते हैं और इस प्रकार इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति सहजता से हो जाती है। महाकुंभ के आयोजन को लेकर कई पौराणिक कथाएँ प्रचलित हैं। जिनमें से सर्वाधिक मान्य कथा देव-दानवों द्वारा समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत कुंभ से अमृत बूँदें गिरने को लेकर है। इस कथा के अनुसार महर्षि दुर्वासा के शाप के कारण जब इंद्र और अन्य देवता कमजोर हो गए तो दैत्यों ने देवताओं पर आक्रमण कर उन्हें परास्त कर दिया। तब सब देवता मिलकर भगवान विष्णु के पास गए और उन्हे सारा वृतान्त सुनाया। तब भगवान विष्णु ने उन्हे दैत्यों के साथ मिलकर क्षीरसागर का मंथन करके अमृत निकालने की सलाह दी। भगवान विष्णु के ऐसा कहने पर संपूर्ण देवता दैत्यों के साथ संधि करके अमृत निकालने के यत्न में लग गए। अमृत कुंभ के निकलते ही देवताओं के इशारे से इंद्रपुत्र जयंत अमृत-कलश को लेकर आकाश में उड़ गया। उसके बाद दैत्यगुरु शुक्राचार्य के निर्देश पर दैत्यों ने अमृत को वापस लेने के लिए जयंत का पीछा किया और घोर परिश्रम के बाद उन्होंने बीच रास्ते में ही जयंत को पकड़ लिया। तत्पश्चात अमृत कलश पर अधिकार जमाने के लिए देव-दानवों में बारह दिन तक अविराम युद्ध होता रहा।इस परस्पर मारकाट के दौरान पृथ्वी के चार स्थानों प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक पर कलश से छलक कर अमृत बूँदें गिरी थीं। उस समय चंद्रमा ने घट से प्रस्रवण होने से, सूर्य ने घट फूटने से, गुरु ने दैत्यों के अपहरण से एवं शनि ने देवेन्द्र के भय से घट की रक्षा की। कलह शांत करने के लिए भगवान ने मोहिनी रूप धारण कर यथाधिकार सबको अमृत बाँटकर पिला दिया। इस प्रकार देव-दानव युद्ध का अंत किया गया।

चूंकि अमृत प्राप्ति के लिए देव-दानवों में परस्पर बारह दिन तक निरंतर युद्ध हुआ था। देवताओं के बारह दिन मनुष्यों के बारह वर्ष के तुल्य होते हैं। इस कारण कुंभ भी बारह होते हैं। उनमें से चार कुंभ पृथ्वी पर होते हैं और शेष आठ कुंभ देवलोक में होते हैं, जिन्हें देवगण ही प्राप्त कर सकते हैं, मनुष्यों की वहाँ पहुँच नहीं है,ऐसा माना जाता है।

जिस समय में चंद्रादिकों ने कलश की रक्षा की थी, उस समय की राशियों पर रक्षा करने वाले चंद्र-सूर्यादिक ग्रह जब आते हैं, उस समय महाकुंभ का योग होता है अर्थात जिस वर्ष, जिस राशि पर सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति का संयोग होता है, उसी वर्ष, उसी राशि के योग में, जहाँ-जहाँ अमृत बूँद गिरी थी, वहाँ-वहाँ महाकुंभ होता है।

600 ई पू के बौद्ध लेखों में नदी मेलों का उल्लेख मिलता है।400 ई पू के सम्राट चन्द्रगुप्त के दरबार में यूनानी दूत ने एक मेले को प्रतिवेदित किया ,ऐसा कहा जाता है। विभिन्न पुराणों और अन्य प्राचीन मौखिक परम्पराओं पर आधारित पाठों में पृथ्वी पर चार विभिन्न स्थानों पर अमृत गिरने का उल्लेख हुआ है।

महाकुम्भ मे अखाड़ो के स्नान का भी विशेष महत्वहै।सर्व प्रथम आगम अखाड़े की स्थापना हुई कालांतर मे विखंडन होकर अन्य अखाड़े बने। 547 ईसवी में अभान नामक सबसे प्रारम्भिक अखाड़े का लिखित प्रतिवेदन हुआ था।600 ईसवी में चीनी यात्री ह्यान-सेंग ने प्रयाग में सम्राट हर्ष द्वारा आयोजित महाकुम्भ में स्नान किया था।904 ईसवी मे निरन्जनी अखाड़े का गठन हुआ था जबकि 1146 ईसवी मे जूना अखाड़े का गठन हुआ। 1398 ईसवी मे तैमूर, हिन्दुओं के प्रति सुल्तान की सहिष्णुता के विरुद्ध दिल्ली को ध्वस्त करता है और फिर हरिद्वार मेले की ओर कूच करता है और हज़ारों श्रद्धालुओं का नरसंहार करता है। जिसके तहत 1398 ईसवी मे हरिद्वार महाकुम्भ नरसंहार को आज भी याद किया जाता है।1565 ईसवी मे मधुसूदन सरस्वती द्वारा दसनामी व्यवस्था की गई और लड़ाका इकाइयों का गठन किया गया । 1678 ईसवी मे प्रणामी संप्रदायके प्रवर्तक श्री प्राणनाथजी को विजयाभिनन्द बुद्ध निष्कलंक घोषित किया गया ।1684 ईसवी मे फ़्रांसीसी यात्री तवेर्निए नें भारत में 12 लाख हिन्दू साधुओं के होने का अनुमान लगाया था।1690 ईसवी मे नासिक में शैव और वैष्णव साम्प्रदायों में संघर्ष की कहानी आज भी रोंगटे खड़े करती है, जिसमे60 हजार लोग मरे थे।1760 ईसवी मे शैवों और वैष्णवों के बीच हरिद्वार मेलें में संघर्ष के तहत 18 सौ लोगो के मरने का इतिहास है।

(चिंतन-मनन)

मिथ्या और वास्तविक अहंकार

मिथ्या अहंकार का अर्थ है, इस शरीर को आत्मा मानना। जब कोई यह जान जाता है कि वह शरीर नहीं, अपितु आत्मा है तो वह वास्तविक अहंकार को प्राप्त होता है। अहंकार तो रहता ही है। मिथ्या अहंकार की भर्त्सना की जाती है, वास्तविक अहंकार की नहीं। वैदिक साहित्य में कहा गया है अहं ब्रह्मास्मि- मैं ब्रह्म हूं, मैं आत्मा हूं। 'मै हं' ही आत्म भाव है और यह आत्म साक्षात्कार की मुक्त अवस्था में भी पाया जाता है। 'मै हं' का भाव ही अहंकार है लेकिन जब ' मै हं' भाव को मिथ्या शरीर के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह मिथ्या अहंकार होता है। जब इस आत्म भाव (स्वरूप) को वास्तविकता के लिए प्रयुक्त किया जाता है, तो वह वास्तविक अहंकार होता है। ऐसे कुछ दार्शनिक हैं जो यह कहते हैं कि हमें अपना अहंकार त्यागना चाहिए। लेकिन हम अपने अहंकार को त्यागे कैसे? क्योंकि अहंकार का अर्थ है स्वरूप। लेकिन हमें मिथ्या देहात्मबुद्धि का त्याग करना ही होगा।

जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि को स्वीकार करने के कष्ट को समझना चाहिए। वैदिक ग्रन्थों में जन्म के अनेक वृत्तान्त है। श्रीमद्भागवत में जन्म से पूर्व की स्थिति, माता के गर्भ में बालक के निवास, उसके कष्ट आदि का सजीव वर्णन है। चूंकि हम भूल जाते हैं कि माता के गर्भ में हमें कितना कष्ट मिला है, अतएवं हम जन्म तथा मृत्यु की पुनरावृत्ति का कोई हल नहीं निकाल पाते। इसी प्रकार मृत्यु के समय भी सभी प्रकार के कष्ट मिलते हैं, जिनका उल्लेख प्रामाणिक शास्त्र में हुआ है। इनकी विवेचना की जानी चाहिए। जहां तक रोग तथा वृद्धावस्था का प्रश्न है, सबको इनका व्यावहारिक अनुभव है। कोई भी रोगग्रस्त नहीं होना चाहता, कोई भी बूढ़ा नहीं होना चाहता, लेकिन इनसे बचा नहीं जा सकता। जब तक हम जन्म, मृत्यु, जरा तथा व्याधि के दुखों को देखते हुए इस भौतिक जीवन के प्रति निराशावादी दृष्टिकोण नहीं बना पाते, तब तक आध्यात्मिक जीवन में प्रगति करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं रह जाता।

विचार मंथन

भारत की आर्थिक स्थिति

(लेखक - सनत जैन)

भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना कर रही है। विदेशी निवेशक (एफआईआई और एफडीआई) बड़ी मात्रा में भारतीय बाजार से धन निकाल रहे हैं। पिछले केवल एक सप्ताह में 54,000 करोड़ रुपये का निवेश विदेशी निवेशकों ने निकाल लिया है। शेयर बाजार की अनिश्चितता से विदेशी निवेशकों का शेयर बाजार को लेकर डर के कारण भगदड़ की स्थिति को दर्शा रहा है। इस आर्थिक अस्थिरता का एक प्रमुख कारण अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद अमेरिका की आर्थिक नीतियों के बदलाव से देखा जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के भारत विरोधी रुख और अप्रवासियों को लेकर कड़े फैसलों से भारतीय उत्पादों और रोजगार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, भारत में गिरती जीडीपी, महंगाई की वृद्धि दर, डॉलर के मुकाबले रुपये का लगातार अवमूल्यन जो 86.31 पर पहुंच गया है। सेबी की कार्यप्रणाली ने देश-विदेशी निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। भारत के घरेलू मोर्चे पर, ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में मांग की कमी देखने को मिल रही है। प्राकृतिक गैस की खपत में गिरावट,उत्पादन और लॉजिस्टिक्स के कमजोर होने के संकेत मिलने से बाजार में आर्थिक मंदी देखी जा रही है। भारत में बढ़ते कर्ज, मांग में कमी, भारतीय कंपनियों और वित्तीय संस्थानो के प्रति बढ़ते अविश्वास से भारतीय शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था मे बड़ी घबराहट फैल रही है। भारत में पिछले कई वर्षों में जिस तरह से मध्यम और निम्न वर्ग पर टेक्स बढ़ाये जा रहे हैं। उससे आम आदमी कर्ज का शिकार हो गया है। उसकी क्रय क्षमता पहिले की तुलना में कम हो गई है। सरकार की टैक्स नीतियों की आशंका ने देसी और विदेशी निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने से डरा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रिस्क-टेकिंग बयान और सरकार की अप्रत्याशित नीतियां ने निवेशकों की चिताओं को बढ़ा दिया है। भारत सरकार आर्थिक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करने के स्थान पर राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही है। जिस तरह से डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार गिरती जा रही है। उसने विदेशी निवेशकों की चिंता को बढ़ा दिया है। भारत का निर्यात व्यापार घट रहा है। वहीं आयातित वस्तुओं की कीमत बढ़ती चली जा रही है। इसका असर बाजार की मांग पर पड़ रहा है। आर्थिक चुनौतियों के इस दौर में सभी की निगाहें आगामी बजट और सरकार की नीतियों पर टिकी हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों पर जिस तरह से देसी और विदेशी कर्ज बढा है। बजट का एक बड़ा हिस्सा कर्ज और ब्याज की अदायगी के साथ-साथ लोक लुभावन योजनाओं में खर्च किया जा रहा है। 2017 के बाद से लगातार मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर जीएसटी के माध्यम से प्रत्यक्ष कर और अप्रत्यक्ष करों का बोझ बढ़ाया गया है। सरकार की टैक्स से आय हर साल बढ़ती जा रही है। उसके बाद भी सरकार का खर्च पूरा नहीं हो पा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारें लगातार कर्ज लेकर खर्च पूरा कर रही हैं। भारत के गरीब और मध्यम वर्ग के ऊपर कर्ज बढ़ रहा है। बेरोजगारी बढ रही है। खर्च की तुलना में आय कम होती जा रही है। सरकार और सेबी द्वारा जो आंकड़े, आर्थिक विकास एवं कंपनियों के जारी किये जा रहे हैं। उस पर निवेशक विश्वास नही कर रहे हैं। ना ही जनता को विश्वास हो पा रहा है। जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था बद से बदहाल स्थिति में पहुंच रही है। भारतीय रिजर्व बैंक में वित्त विशेषज्ञ के स्थान पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी को गवर्नर पद पर नियुक्त किये जाने से आर्थिक स्थिति और भी गड़बड़ा गई है। नीति आयोग के सदस्यों पर सरकार के इशारे पर काम करने से भारत की आर्थिक स्थिति दिनों-दिन खराब होती जा रही है। शेयर बाजार से विदेशी निवेशक तेजी के साथ निवेश निकालकर भाग रहे हैं। पिछले वर्षों मे भारतीय करोड़पति और अरबपति भारत से पैसा निकालकर विदेश में निवेश कर विदेशी नागरिकता ले रहे हैं। जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था अपने सबसे बुरे दौर पर पहुंच गई है। अर्थशास्त्रियों का मानना है,जिस तरह से सरकारी खर्च को बढ़ाया जा रहा है। टैक्स की दरें भारत में सबसे ऊंची है। कॉरपोरेट से कम टैक्स वसूल किया जा रहा है। कारपोरेट की आय चार गुना पिछले 10 वर्षों में बढ़ गई है। वहीं गरीब एवं मध्यवर्ग की बचत पिछले 10 वर्षों में सबसे कम हो गई है। गरीब एवं मध्यम वर्ग पर कर्ज का बोझ बढ़ गया है। जिस तरीके से शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। उसने पूरे अर्थतंत्र की जड़ों को हिलाकर रख दिया है। रही सही कसर अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी कर रहे हैं। शेयर बाजार में डर एवं भय का वातावरण बन गया है। शेयर बाजार की गिरावट का असर भारत के बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों में पड रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिंद्रा थार रॉक्स ने जीता 2025 इंडियन कार ऑफ द ईयर का खिताब

महिंद्रा की इस गाड़ी का भारतीय बाजार में चलता है सिक्का

मुंबई । महिंद्रा ने फिर अपनी बादशाहत साबित करते हुए 2025 इंडियन कार ऑफ द ईयर (आईसीओटीवॉय) का खिताब जीत लिया है। महिंद्रा की नई थार रॉक्स ने यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल कर इतिहास बना दिया। यह एसयूवी मारुति सुजुकी डिजायर और स्विफ्ट जैसी लोकप्रिय कारों को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थान पर रही। थार रॉक्स को अगस्त 2024 में लांच किया गया था और लांच के बाद से ही यह ग्राहकों की पसंदीदा बन गई है। आईसीओटीवॉई अवॉर्ड की दौड़ में महिंद्रा थार रॉक्स ने कुल 139 अंक हासिल किए, जो मारुति सुजुकी डिजायर (137 अंक) और स्विफ्ट (83 अंक) से आगे ले गए। रेस में एमजी विंडसर, टाटा क्रेव और क्रेव.ईवी, टाटा पंच ईवी, बीवॉयडी, और सिट्रोएन बेसाल्ट जैसी दिग्गज गाड़ियां भी शामिल थीं, लेकिन थार रॉक्स ने अपनी अलग पहचान बनाई। थार रॉक्स अपने दमदार इंजन, प्रीमियम फीचर्स और आकर्षक डिजाइन के कारण न केवल ऑफ-रोडिंग के लिए बल्कि शहरी इस्तेमाल के लिए बेहतर है। इसकी कीमत और फीचर्स का संतुलन बाजार में अन्य प्रतिस्पर्धियों से अलग बनाता है। महिंद्रा थार रॉक्स की यह उपलब्धि ब्रांड की विश्वसनीयता और बाजार में बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती है। अगर आप एक ऐसी एसयूवी की तलाश में हैं जो स्टाइलिश हो, परफॉर्मेंस में बेहतरीन हो और आपकी हर जरूरत को पूरा करे, तो महिंद्रा थार रॉक्स आपके लिए परफेक्ट विकल्प है।

भारत वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र विश्व में तीसरे स्थान पर :रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारतीय वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने 2024 में मंदी का सामना करते हुए भी वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर अपनी प्रतिष्ठा कायम रखी है। इस क्षेत्र में हालात में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे वित्त पोषण में 1.9 अरब डॉलर की कमी आई है। एक मार्केट इंटेलिजेंस कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, भू-राजनीतिक प्रतिकूलताओं और व्यापक मंदी के कारण इस क्षेत्र में वित्त पोषण में कमी आई है। इसके बावजूद, भारतीय वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने 2024 में सिर्फ अमेरिका और ब्रिटेन के पीछे रहकर तीसरी पोजीशन बनाए रखी है। कंपनी की सह-संस्थापक ने कहा कि भारत का वित्तीय प्रौद्योगिकी परिदृश्य मजबूत है और मंदी के बावजूद यह क्षेत्र भले ही कठिनाइयों का सामना कर रहा हो, लेकिन उसकी फलने-फूलने की क्षमता को रेखांकित करता है। वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 2024 में दो नए 'यूनिकॉर्न' कंपनियाँ उभरी हैं, जिनका मूल्यांकन अरब डॉलर के ऊपर है, आठ आईपीओ आए जो 2023 के दो आईपीओ की तुलना में 300 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

दिसंबर 2024 में चीन का निर्यात 10.7 प्रतिशत बढ़ा

हांगकांग । चीन के निर्यात में दिसंबर 2024 में सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी जा रही है। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार शुल्क लगाने की चेतावनी से उत्पन्न अनिश्चितता के बीच चीन के कारखानों ने ऑर्डर तेजी से पूरा किया है जिससे देश के निर्यात बढ़ा गई। अर्थशास्त्रियों ने दिसंबर 2024 में इसमें करीब सात प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। इस अवधि में चीन का आयात भी अनुमान से अधिक रहा और इसमें एक प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसमें 1.5 प्रतिशत की कमी का अनुमान था। गौरतलब है कि ट्रंप ने चीन की उन वस्तुओं पर 10 प्रतिशत शुल्क लगाने का संकल्प किया है, जिनका उपयोग निर्यातक वर्तमान में अमेरिका में अपने उत्पादों को सस्ते दामों पर बेचने के लिए करते हैं। आयात की तुलना में निर्यात अधिक होने से चीन का व्यापार अधिशेष बढ़कर 104.84 अरब डॉलर हो गया।

अब करदाता 31 जनवरी से पहले अपने टैक्स विवादों का कर सकते हैं निपटारा

- पहले समय सीमा 31 दिसंबर 2024 थी

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग ने विवाद से विश्वास योजना के अंतर्गत टैक्स विवादों के निपटारे के लिए घोषणा दाखिल करने की अंतिम तारीख को बढ़ा दिया है। यह योजना टैक्सपेयर्स को टैक्स विवादों में छूट प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करती है। पहले समय सीमा 31 दिसंबर 2024 थी, लेकिन अब यह 31 जनवरी 2025 कर दी गई है। डायरेक्ट टैक्स विवाद से विश्वास योजना के नियमों के अनुसार, टैक्सपेयर्स को इस योजना के तहत घोषणा दाखिल करने पर सिर्फ 100 फीसदी विवादित टैक्स राशि चुकानी होती है और उन्हें ब्याज और पेनल्टी माफ कर दी जाती है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज ने यह निर्णय लिया ताकि करदाताओं को और अधिक समय मिल सके टैक्स विवादों को सुलझाने के लिए। योजना टैक्सपेयर्स को अपने विवादित टैक्स की राशि चुकाने का मौका देती है और उन्हें सरलता से निपटारा करने की सुविधा प्रदान करती है। इस योजना के तहत, करदाताओं को नए और अपडेटेड जानकारी भी प्रदान की गई है जो उन्हें योजना के तहत अपने टैक्स विवादों को सुलझाने में मदद कर

सकती है। इस योजना के जरिए, आयकर विभाग और करदाता के बीच लंबित विवादों का समाधान किया जा रहा है और करदाताओं को अपने टैक्स के सभी विवादों को सुलझाने का एक मार्ग प्रदान किया जा रहा है।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 58 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ ही 86.62 रुपये पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में रुपये में गिरावट जारी रही। अस्थिर वैश्विक संकेतों के बीच मजबूत अमेरिकी मुद्रा के कारण वह 27 पैसे टूटकर 86.31 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के कारण भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव बना। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.12 प्रति डॉलर पर खुला। वहीं शुरुआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले ये सर्वकालिक निचले स्तर 86.31 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 27 पैसे की भारी गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे टूटकर 86.04 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22

गोदरेज प्रॉपर्टीज की हैदराबाद में पहली आवासीय परियोजना शुरू

- कंपनी का 1,300 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने हैदराबाद में अपनी पहली आवासीय परियोजना शुरु कर दी है, कंपनी को इस आवासीय परियोजना से करीब 1,300 करोड़ रुपये की आय की उम्मीद है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में हैदराबाद में अपनी पहली प्रीमियम आवासीय परियोजना 'गोदरेज मैडिसन एवेन्यू' की शुरुआत की घोषणा की। कंपनी सूचना के अनुसार हैदराबाद के कोकापेट में तीन एकड़ भूमि पर फैली इस परियोजना में करीब 12 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र होगा। इसकी अनुमानित बुकिंग कीमत करीब 1,300 करोड़ रुपये होगी। गोदरेज प्रॉपर्टीज के अे धिकारी ने कहा कि हम हैदराबाद में अपनी पहली परियोजना शुरू करने को लेकर उत्साहित हैं, जो हमारी विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोकापेट रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान है और बुनियादी ढांचागत लाभ इसे प्रीमियम आवासीय विकास के लिए एक आदर्श स्थान बनाते हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। कंपनी की मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र), बेंगलुरु और पुणे आवास बाजारों में मजबूत उपस्थिति है। अब इसने हैदराबाद शहर में प्रवेश किया है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट , सेंसेक्स में 1048 अंक नीचे आया, निफ्टी भी 345 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1048 अंक टूटकर 76,330 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 345 अंक नीचे आकर 23,085 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार बाजार में गिरावट दिसंबर में अमेरिकी नौकरियों में तेजी आने से आई है। इससे अमेरिका में 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड 14 महीने के सबसे उंचे स्तर पर पहुंच गई। इससे 2025 में कम दरों में कटौती की संभावना और बढ़ गई, जिससे बाजार में निवेश की संभावन कम हुई है।

इसके अलावा 10 वर्षीय अमेरिकी बॉन्ड यील्ड बढ़कर 4.73 फीसदी हो गई, जो अप्रैल के बाद से सबसे अधिक है। इससे भी घरेलू बाजार पर दबाव आया है। मजबूत जॉब डेटा और सेवा क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन के बाद ऐसा हुआ है। विश्लेषकों को उम्मीद है कि जनवरी में फेड दरें बनाए रखेगा, जिससे डॉलर और मजबूत होगा और बॉन्ड यील्ड बढ़ेगी। अमेरिकी बॉन्ड में तेजी से एफआईआई बिकवाली जारी रखेंगे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) और विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने 2025 में

बिकवाली का सिलसिला जारी रखा है। जिससे भी भारतीय बाजार पर दबाव आया है। तेल की कीमतें तीन महीने से ज्यादा के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। रूस पर व्यापक अमेरिकी प्रतिबंधों से बॉन्डभारत को कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी। ब्रेंट क्रूड वायदा 1.35 डॉलर या 1.69 फीसदी बढ़कर 81.11 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो 27 अगस्त के बाद सबसे ज्यादा है। इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। महंगाई के आंकड़ों, कमजोर ग्लोबल संकेतों और दिसंबर तिमाही के परिणामों को लेकर अनिश्चितता की वजह से बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 843.67 अंक गिरकर 76,535.24 और निफ्टी 258.8 अंक गिरकर 23,172.70 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशिया-प्रशांत के बाजारों ने हफ्ते की शुरुआत कमजोर की है। शुक्रवार को आए मजबूत अमेरिकी जॉब डेटा के बाद फेडरल रिजर्व द्वारा जल्दी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो गईं। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.84` फीसदी ` गिरा और कोरिया का कोस्पी भी 0.4 फीसदी की गिरावट पर है। जापान के बाजार सोमवार को छुट्टी के कारण बंद रहे। अमेरिका में शुक्रवार को शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज हुई। डाओ जोंस और नेस्डेक गिरावट के साथ बंद हुए। दिसंबर में अमेरिका में 2,56,000 नई नौकरियां जुड़ीं, जो 1,55,000 के अनुमान से कहीं ज्यादा थीं। बेरोजगारी दर भी घटकर 4.1 फीसदी रही। इस मजबूत जॉब डेटा के चलते ट्रेजरी यील्ड बढ़ी और 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड 2023 के अंत के बाद अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई।

व्यापार और सहयोग को लेकर काठमांडू में बैठक, कई समझौतों पर चर्चा के बाद बनी सहमति

नई दिल्ली।

नेपाल की राजधानी काठमांडू में भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में अनधिकृत व्यापार से निपटने के उपायों और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। नेपाल के अनुरोध पर भारत ने 2 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आपूर्ति करने पर सहमति व्यक्त की। इस दौरान नेपाली प्रतिनिधिमंडल ने आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में मदद के लिए भारतीय सरकार का आभार व्यक्त किया। बैठक में दूध उत्पादों, जैसे मट्ठा और पनीर के निर्यात की समस्याओं पर भी चर्चा हुई।

भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार और निवेश साझेदार है और नेपाल के आयात-निर्यात में एक अहम भूमिका निभाता है। बैठक में भारतीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने आपसी बाजार पहुंच, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), और शुल्क संबंधी मुद्दों की समीक्षा की। इसके साथ ही, व्यापार और आवागमन संधि में सुधार, मानकों के सामंजस्य, और रक्सौल-बीरगंज रेल लाइन के विद्युतीकरण जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई।बैठक के दौरान दोनों देशों ने व्यापार और निवेश को प्रोत्साहित करने के उपायों पर जोर दिया। सीमा पार व्यापार में सुधार और सुविधाओं को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से विचार-विमर्श किया गया। यह बैठक भारत और

नेपाल के व्यापारिक संबंधों को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।नेपाली पक्ष के अनुरोध पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच नई एकीकृत चेक पोस्ट और रेलवे लिंक बनाने की योजना पर भी चर्चा हुई। यह पहल भारत और नेपाल के बीच निर्बाध सीमा पार संपर्क को मजबूत करेगी। बैठक में नई चेक पोस्ट और रेलवे लिंक के निर्माण की दिशा में द्विपक्षीय सहयोग का स्वागत किया गया।

रुपए की गिरावट: बढ़ जाएगी महंगाई, आम जनता की जेब पर पड़ेगा दबाव

- विदेश जाना हो सकता है सस्ता

नई दिल्ली । भारतीय रुपया ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.31 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचकर रुपए की मूल्य को कमजोर कर दिया है। इस गिरावट की वजह से न केवल सरकार, बल्कि आम जनता की भी जेब पर दबाव बढ़ रहा है।

क्या हो सकता है महंगा

1. पेट्रोल-डीजल- रुपए में कमजोरी से पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का आयात महंगा हो सकता है, जिससे पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। इससे महंगाई में इजाफा हो सकता है।

2. दाल और खाने का तेल- डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से घरेलू बाजार में खाद्य तेलों और दालों की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे आम जनता की जेब दबाव बढ़ सकता है।

3. शिक्षा- विदेश में शिक्षा पाने वाले छात्रों के लिए यह खर्च बढ़ सकता है क्योंकि हर डॉलर के लिए अधिक रुपए चुकाने पड़ सकते हैं।

4. विदेश यात्रा- वहीं रुपए की गिरावट से विदेशी टूरिज्म सस्ता हो सकता है, जिससे यात्रा करने वालों को फायदा मिलेगा। साथ ही भारतीय निर्यातकों को भी ज्यादा मुनाफा होगा क्योंकि उनके उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे।

मुंबई के जवेरी बाजार का होगा कायाकल्प, पर कारोबारी चिंतित!

- काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकाल मंदिर की तर्ज पर विकास करने की योजना

मुंबई ।

देश की आर्थिक राजधानी कहलाने वाली मुंबई नगरी का नाम जिन मुंबा देवी के नाम पर पड़ा है, उनके मंदिर का भी काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकाल मंदिर की तर्ज पर विकास करने की योजना बनाई जा रही है। मगर मंदिर के आसपास गलियारा तैयार करने की इस योजना से जवेरी बाजार के कारोबारी मु श्किल में फंस गए हैं। वे खुश तो हैं क्योंकि मंदिर के विकास के साथ ही उनके बाजार का कायाकल्प भी हो जाएगा। मगर कई कारोबारियों को इस कवायद में अपना कारोबार उजड़ने की चिंता भी सता रही है। महाराष्ट्र सरकार ने 2023 में पूरे जोर-शोर से मुंबा देवी मंदिर कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया था और उसके लिए भूमि पूजन भी कर दिया गया था। इस परियोजना के तहत अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक गलियारा तैयार करने का भी प्रस्ताव है, जिसके बाद मुंबई का यह सबसे पुराना कारोबारी इलाका आधुनिक सुविधाओं से चमचमा जाएगा और स्थानीय व्यापारियों का जुड़ाव सीधे वैश्विक बाजार से हो जाएगा। परियोजना का सबसे बड़ा फायदा जवेरी बाजार और दागिना बाजार को ही मिलना है, जो देश में सोने-चांदी की सबसे बड़ी मंडियां हैं। तकरीबन ढाई किलोमीटर दायरे में फैला जवेरी बाजार करीब 150 साल पुराना है और यहां 7,000 से ज्यादा छोटी-बड़ी दुकानें हैं। बताते हैं कि 19वीं सदी की शुरुआत में अंबालाल जवेरी नाम के एक जौहरी यहां कारोबार करते थे, जिनके यहां मिलने वाले सोने की शोहरत दूर-दूर तक फैली थी। उन्हीं के नाम पर इस बाजार का नाम जवेरी बाजार पड़ा। मगर उनकी मृत्यु के बाद पूरा कारोबार पारिवारिक विवाद की भेंट चढ़ गया। बहरहाल जवेरी बाजार तब से आज तक बढ़ता ही जा रहा है। इस बाजार में रोजाना 200 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत के सोने-चांदी का कारोबार होता है।

मुकेश अंबानी की लिस्टेड कंपनियों से आगे निकला अडाणी समूह

अदाणी समूह ने 2024 में 6.32 अरब डॉलर के सौदे किए

नई दिल्ली ।

विलय-अधिग्रहण के क्षेत्र में अदाणी और अंबानी समूहों के बीच वर्षों से जारी प्रतिस्पर्धा ने पिछले वर्ष 2024 एक नया मोड़ लिया। अदाणी समूह ने 2024 में 6.32 अरब डॉलर के सौदों के साथ रिलायंस समूह को पछाड़ दिया, जिसने इस दौरान 3.14 अरब डॉलर के सौदे किए। 2023 में हालांकि, रिलायंस समूह ने 8.77 अरब डॉलर के सौदों के साथ वर्चस्व कायम किया था, जबकि अदाणी समूह ने मात्र 1.73 अरब डॉलर के सौदे किए। लेकिन 2024 में अदाणी समूह ने सीमेंट और अन्य क्षेत्रों में अपने बड़े निवेशों के साथ बढ़त हासिल की। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार 2024 में भारत के शीर्ष 5 समूहों की सूचीबद्ध कंपनियों ने 15.28 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 98.7 अरब डॉलर के सौदों को अंजाम दिया। टाटा और आदित्य बिड़ला समूहों ने क्रमशः 1.7 अरब डॉलर और 1.6 अरब डॉलर के सौदे किए। निजी इक्विटी और सॉवरिन निवेशकों ने 2024 में प्रमुख भूमिका निभाई। भारती ग्लोबल ने ब्रिटेन की बीटी ग्रुप में 4 अरब डॉलर का निवेश कर विदेशी बाजारों में सबसे बड़ा सौदा किया। वहीं अदाणी समूह ने सीमेंट क्षेत्र में अंबुजा सीमेंट्स के जरिए 1.2 अरब डॉलर में पेन्ना सीमेंट और 44 करोड़ डॉलर में ओरियंट सीमेंट में हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। विशेषज्ञों के अनुसार 2025 में भारतीय कारोबारी समूहों के विलय-अधिग्रहण प्रयासों में और तेजी आने की संभावना है। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारत में विलय-अधिग्रहण गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। भू-राजनीतिक जरूरतें, अनिश्चितताएं, और बढ़ती ब्याज दरें इस क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं। भारतीय समूह वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 में शामिल हो रहे हैं, जो उनकी बढ़ती ताकत का प्रमाण है। 2024 में भारतीय बाजारों में हुई गतिविधियां यह दिखाती हैं कि भारतीय कंपनियां न केवल घरेलू बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल हो रही हैं।

इस साल अमेरिकी शेयर बाजार गिरा तो सबसे ज्यादा नुकसान भारत को होगा?

-सेंसेक्स पिछले 6 महीने में करीब 4 फीसदी गिरा

नई दिल्ली।

निवेश के लिए 2025 शेयर मार्केट के लिए संकटभरा हो सकता है। एक रिपोर्ट में एक्सपर्ट के मुताबिक साल 2025 में अमेरिकी शेयर बाजार औंधे मुंह गिर सकता है। अगर ऐसा हुआ तो इसके असर से भारत समेत दुनिया के दूसरे देशों का शेयर बाजार भी प्रभावित होगा और इनमें भी गिरावट आ सकती है। सबसे ज्यादा खतरा भारतीय शेयर मार्केट हो सकता है, जो इस समय गिरावट के दौर से गुजर रहा है। सेंसेक्स पिछले 6 महीने में करीब 4 फीसदी गिर गया है। नए साल 2025 की शुरुआत तो अच्छी हुई थी, लेकिन उसके बाद इसमें गिरावट आनी शुरु हो गई। 2 जनवरी के बाद से शेयर मार्केट लगातार गिर रहा है। तब से अब तक इसमें 3 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। शुक्रवार को भी मार्केट गिरावट के साथ बंद हुआ था।

इस समय अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी बनी हुई है। पिछले दो सालों से यह तेजी के दौर से गुजर रही है। नसदाक पिछले एक साल में 28 फीसदी उछला है। वहीं दो साल में इसमें करीब 73 फीसदी की तेजी आई है। एसएंडपी 500 में भी काफी तेजी रही। एसएंडपी 500 में अमेरिका की टॉप 500 कंपनियां लिस्ट हैं। इसमें एक साल में करीब 22 फीसदी और दो साल में 45 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। अमेरिकी शेयर बाजार में गिरावट का सबसे बड़ा कारण अमेरिका का केंद्रीय बैंक फेड रिजर्व रहेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी निवेशकों के मन में 2025 में अमेरिकी शेयर बाजार के भविष्य को लेकर आशंकाएं बढ़ रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि फेड के वर्ष 2025 के लिए किए गए आर्थिक अनुमान गलत साबित हो सकते हैं। ऐसे में फेडरल रिजर्व के अधिकारी इस वर्ष ब्याज दरों में वृद्धि कर सकते हैं। अमेरिकी शेयर बाजार को उम्मीद है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व अपने पिछले कुछ आर्थिक अनुमानों के आधार पर वर्ष 2025 में दरों में कटौती जारी रख सकता है। वहीं दूसरी ओर फेड रिजर्व ब्याज दरों में वृद्धि करने का फैसला ले सकता है। जानकारों के मुताबिक ऐसा होने पर अमेरिकी शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट आ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत है और मुद्रास्फीति फेडरल रिजर्व की अपेक्षा से ज्यादा स्थिर है।

देश में 2025-26 में ईवी की पहुंच बढ़ने की उम्मीद: एचएमआईएल

चेन्नई ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी को 2025 और 2026 में देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच के तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी अपनी लोकप्रिय एसयूवी क्रेटा के ईवी संस्करण के साथ इलेक्ट्रिक वाहन खंड में प्रवेश करने के लिए तैयार है। इसकी भविष्य में चार इलेक्ट्रिक वाहन और लाने की भी योजना है। अे धिकारी ने कहा कि भारत विद्युतीकरण के शुरुआती चरण में है। पिछले साल हमने करीब 2.4 प्रतिशत विद्युतीकरण देखा। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि 2025 और 2026 इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच में तेजी आएगी और क्रेटा ईवी इसमें अग्रणी भूमिका निभाएगी। वर्ष 2024 में भारतीय यात्री वाहन खंड में करीब 43 लाख इकाइयों की रिकॉर्ड बिक्री हुई। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के एक आंतरिक अध्ययन तथा कुछ बाहरी सलाहकारों के विचारों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 2030 तक ईवी की पहुंच 17 प्रतिशत हो सकती है। हुंदै क्रेटा ईवी के अलावा मारुति सुजुकी इंडिया 17-22 जनवरी तक आयोजित होने वाले भारत मोबिलिटी ग्लोबल के ऑटो शो 2025 में अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई विटारा' को भी पेश करने को तैयार है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल 2025: इस मामले में इतिहास रच देंगे श्रेयस अय्यर, बन जाएंगे भारत के पहले क्रिकेटर

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने बीते रविवार को श्रेयस अय्यर को टीम का नया कप्तान घोषित किया है। वे आईपीएल 2025 में पंजाब की कमान संभालते हुए नजर आएंगे। जब वे पहले मैच में कप्तान करेंगे तो ये भारतीय क्रिकेटर के तौर पर एक इतिहास लिखा जाएगा। वे भारत के पहले ऐसे कप्तान बन जाएंगे, जिन्होंने दो से ज्यादा टीमों की कप्तानी की है। अभी तक सिर्फ दो ही क्रिकेटर ऐसा कर पाए हैं, लेकिन दोनों विदेशी थे। किसी भारतीय को पहली बार तीन टीमों की कप्तानी करने का मौका मिला है।

21 मार्च से आईपीएल 2025 की शुरुआत होनी है। पंजाब ने 26.75करोड़ रुपये में दाएं हाथ के मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को खरीदा था। केकेआर को उन्होंने कप्तानी करते हुए 2024 में चैंपियंस बनाया था। ऐसे में वे इस समय आईपीएल चैंपियंस कप्तान हैं। लेकिन चैंपियंस टीम का हिस्सा नहीं हैं। बता दें कि, श्रेयस अय्यर 18 सीजन में पंजाब किंग्स के 17वें कप्तान हैं। किसी भी अन्य टीम ने इतने कप्तान नहीं बदले हैं जितने पंजाब किंग्स ने बदले हैं।

श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में इतिहास रच दिया है, क्योंकि वह तीन आईपीएल टीमों की कप्तानी हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। अय्यर 2018 सीजन के मध्य से 2020 तक दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान रहे और एक सीजन उन्होंने टीम को फाइनल में भी पहुंचाया। वहीं आईपीएल 2022 से 2024 तक वे केकेआर के कप्तान रहे। वह आईपीएल इतिहास में दो टीमों के साथ आईपीएल फाइनल खेलने वाले एकमात्र कप्तान भी हैं।

गंभीर को पाखंडी कहने वाले बयान से पलटे मनोज तिवारी, मीडिया पर लगाया आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क । भारत के पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर को पाखंडी कहने के कुछ दिन बाद अपना रुख स्पष्ट किया है। ट्विटर पर तिवारी ने अपने 20 मिनट के साक्षात्कार में एक खास हिस्से को एडिट करने और चलाने के लिए मीडिया को दोषी ठहराया है। 9 जनवरी को एक साक्षात्कार में बंगाल के पूर्व कप्तान ने मौजूदा मुख्य कोच पर निशाना साधते हुए उन्हें पाखंडी कहा था जो 'अपनी बात पर खरा नहीं उतरता'। तिवारी ने मुख्य कोच के रूप में गंभीर की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि पूर्व सलामी बल्लेबाज में स्पष्टता और निश्चित कोचिंग शैली का अभाव है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत की हार और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने में उनकी विफलता के मद्देनजर उनकी कड़ी टिप्पणी आई।

मनोज तिवारी ने एक इंटरव्यू में कहा, 'गौतम गंभीर एक पाखंडी हैं। वह जो कहते हैं, वह करते नहीं हैं। गेंदबाजी कोच का क्या फायदा? कोच जो भी कहेगा, वह माना जाएगा। मोर्ने मोर्कल लखनऊ सुपर जायंट्स से आए थे। अभिषेक नायर गंभीर के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स में थे और भारतीय मुख्य कोच जानते हैं कि वह उनके निर्देशों के खिलाफ नहीं जाएंगे।'

इस बयान तीन दिन बाद तिवारी ने आकाश चोपड़ा की वीडियो में अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्होंने केवल वही कहा जो उन्हें सही लगा। मनोज तिवारी ने कहा, 'मैं अपने कोचिंग सेंटर में था, अभ्यास के बाद वहीं बैठा था। स्थानीय मीडिया मेरा साक्षात्कार लेने के लिए वहां आया था। हमने 20-25 मिनट तक बात की और आप जानते हैं कि जब ये लोग [मीडिया] साक्षात्कार लेते हैं, तो वे कार्यालय में वापस जाते हैं और इसे एडिट करते हैं - जो भी सुविधाजनक होगा, जो उन्हें लगता है कि आवश्यक है उसे रखा जाएगा। वे जो भी मांग होगी उसे रखने की कोशिश करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि उन्होंने 20 मिनट का इंटरव्यू नहीं देखा होगा। और ये चार-पांच लाइनें जो मेरे इंटरव्यू से निकलीं, उन्होंने शायद बस यही देखी होंगी। मैं बस यह स्पष्ट करना चाहता हूं। मैं आकाश को पसंद करता हूं, उनका सम्मान करता हूं, [वे] अपनी ईमानदार राय देते हैं। मुझे लगता है कि इसे स्पष्ट करना जरूरी है।'

विराट और रोहित को अपना भविष्य खुद तय करने दीजिए : कपिल देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में लचर प्रदर्शन के बाद कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी विराट कोहली के भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं लेकिन भारत के पूर्व महान हरफनमौला कपिल देव ने कहा कि ये दोनों इतने बड़े खिलाड़ी हैं कि अपने भविष्य को लेकर फैसला खुद कर सकते हैं।

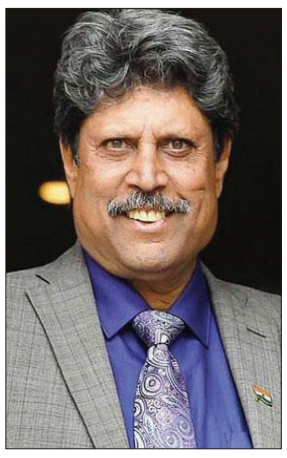

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली 9 पारियों में एक शतक के साथ 190 रन ही बना सके और बार बार ऑफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर कैच देकर आउट हुए। कप्तान रोहित शर्मा के आंकड़े यहां और खराब रहे और वह तीन मैचों की पांच पारियों में महज 31 रन ही बना सके। वह खराब फॉर्म के कारण पांचवें टेस्ट मैच से बाहर थे। भारतीय टीम को अपना अगला टेस्ट इस साल जून में इंग्लैंड दौरे पर खेलना है लेकिन भारतीय क्रिकेट जगत में 'सुपरस्टार' संस्कृति को पीछे छोड़ने की बात उठ रही है।

भारत के पूर्व महान खिलाड़ी कपिल देव से जब इन खिलाड़ियों के भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'विराट और रोहित बहुत बड़े खिलाड़ी है और खेल में अपने भविष्य का फैसला उन्हें खुद करने दीजिए।' रोहित की जगह टीम में कप्तान के दावेदारों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'इस में किसी तरह का विवाद नहीं होना चाहिए, जो मौजूदा कप्तान है वह भी किसी की जगह आए थे। जो भी कप्तान हो उसे पूरा समय मिलना चाहिए।'

भारतीय टीम को इस दौरे पर बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों ने भी निराश किया। जसप्रीत बुमराह के अलावा कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावित करने में विफल रहा। बुमराह भी पांचवें टेस्ट में चोटिल होने के कारण दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर सके जिससे ऑस्ट्रेलिया के लिए छोटा लक्ष्य हासिल करना काफी आसान हो गया। बुमराह ने इस दौरे पर लगभग 150 ओवर गेंदबाजी कर 32 विकेट झटके।

भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को 116 रनों से हराया

राजकोट (एजेंसी)। जेमिमाह रॉड्रिग्स (102), हरलीन देओल (89), कप्तान स्मृति मंधाना (73), प्रतिका रावल (67) की शानदार बल्लेबाजी के बाद दीप्ति शर्मा (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में आयरलैंड को 116 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ भारतीय टीम ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।

370 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने आठवें ही ओवर में कप्तान गैबी लुईस (12) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी क्रिस्टिना कुल्टर रीली ने सारा फोर्ब्स के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। 21वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने सारा फोर्ब्स (38) को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। 27वें ओवर में प्रिया मिश्रा ने ऑर्ला प्रेंडरगस्ट (तीन) को आउट किया। 41वें ओवर में शतक की ओर बढ़ रही क्रिस्टिना कुल्टर रीली को तितास साधु ने बोल्ड कर पवेलियन भेजा। क्रिस्टिना कुल्टर रीली ने 113 गेंदों में 10 चौके लगाते हुए (80) रनों की जूझारु पारी खेली। 42वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने लॉरा डेलेनी (32) को पगबाधा आउट किया। अवा कैनिंग (11) को प्रिया मिश्रा ने आउट किया। ली पॉल (27) और जॉर्जिना डेम्पसी (छह) रन बनाकर नाबाद रही। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे आयरलैंड की टीम निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 254 रन ही बना सकी और 116 रनों से मुकाबला हार गई।

भारत की ओर से दीप्ति शर्मा को तीन विकेट मिले। प्रिया मिश्रा ने दो विकेट लिये। तितास साधु और सायली सातघरे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 156 रन जोड़े। 19वें ओवर में ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने स्मृति मंधाना को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मंधाना ने 54 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (73) रन बनाये। अगले ही ओवर में जॉर्जिना डेम्पसी ने प्रतिका रावल को आउट कर पवेलियन भेज दिया। रावल ने 61 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए (67) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हरलीन देओल और जेमिमाह रॉड्रिग्स की जोड़ी ने एक बार फिर आयरलैंड के गेंदबाजों की धुनाई शुरु कर दी। 48वें ओवर में आर्लीन केली ने हरलीन देओल को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। हरलीन देओल ने 84 गेंदों में 12 चौके लगाते हुए (89) रन बनाये। वहीं जेमिमाह रॉड्रिग्स ने 91 गेंदों में 12 चौके लगाते हुये (102) रनों की शतकीय पारी खेली। ऋचा घोष (10) रन बनाकर आउट हुई। भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 370 रनों बनाकर एकदिवसीय में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया।

आयरलैंड की ओर से ऑर्ला प्रेंडरगस्ट और आर्लीन केली ने दो-दो विकेट लिये। जॉर्जिना डेम्पसी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

पूर्व क्रिकेटर बोला, डब्लयूटीसी फाइनल में नहीं होगा तेज गेंदबाजों को लाभ

जोहांबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने कहा है कि लॉर्डस में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों को कोई ज्यादा लाभ नहीं होगा। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 11 से 15 जून तक खेला जाएगा। रोड्स ने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाजों को इसलिए कोई फायदा नहीं है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को पहले से ही तेज गेंदबाजों को खेलने की आदत है। उनके पास भी काफी अच्छे तेज गेंदबाज है जिनका सामना दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को करना होगा। उन्होंने कहा कि मैं नहीं कहूंगा कि हमें कोई फायदा मिलने वाला है। हालांकि इस पूर्व क्रिकेट ने माना है कि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने डब्लयूटीसी चक्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। कैगिसो रबाडा ने 8 मैचों में 37 और मार्को जानसेन ने 7 मैचों में 29 विकेट लिए थे। रोड्स का मानना है कि अभी दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट का ग्राफ ऊपर की ओर जा रहा है। उन्होंने कहा कि सफलता से सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि मैंने भारत में बतौर खिलाड़ी और कोच देखा है कि कैसे सफलता से खेल की लोकप्रियता बढ़ती है।

नीरज भारत में भाला फेंक प्रतियोगिता में शामिल होने शीर्ष एथलीटों से बात करेंगे

मुंबई । ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा भारत में एक कॉन्टिनेंटल टूर भाला फेंक प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विश्व के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे। ये भाला फेंक स्पर्धा इस साल मई में होने की संभावना है। इसके लिए अभी तक आयोजन स्थल तय नहीं किया गया है। विश्व एथलेटिक्स और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से मिलकर इस इवेंट का आयोजन करेंगे। इसमें आयोजित होने वाले कार्यक्रम में विश्व भर के कुछ सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे। इस आयोजन को लेकर नीरज ने कहा, शुरुआत से ही वह देश में एक विश्व स्तरीय भाला फेंक प्रतियोगिता आयोजित करना चाहते थे। अब जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की सहायता से उनका ये सपना पूरा हो रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि मेरे साथी एथलीट और भारत में प्रशंसकों दोनों को ही इससे एक नया अनुभव होगा। अब देखना है कि ये आयोजन कितना बड़ा होता है।' नीरज और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स इस आयोजन को विश्व एथलेटिक्स कैलेंडर में एक वार्षिक कार्यक्रम बनाने के लिए उत्साहित हैं, जिसमें इस स्पर्धा में और अधिक ट्रैक और फ़ील्ड विषयों को जोड़ने पर ध्यान दिया गया है। वहीं इसी को लेकर जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक पार्थ जिंदल ने कहा, मैं एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया को भारत में एक विश्व स्तरीय स्पर्धा लाने का यह शानदार अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा कि हमारा ध्यान स्टार खिलाड़ियों वाली लाइन-अप के अलावा, ध्यान एक ऐसी प्रतियोगिता आयोजित करने पर होगा जो प्रौद्योगिकी का उपयोग करके दर्शकों के अनुभव को और बेहतर बनाएंगे।

इंडिया ओपन - भारत ने सबसे बड़ा दल उतारा, सात्विक और चिराग पर नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सितारों से सजे इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में अपना सबसे बड़ा दल उतारा है लेकिन नजरें कुछ जाने पहचाने नामों खासकर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पर लगी होंगी। भारतीय खिलाड़ियों को पिछले दो सत्रों से इस टूर्नामेंट में सफलता नहीं मिली है।

भारत का 21 सदस्यीय दल इस कमी को पूरा करने के साथ छह महीने पहले पेरिस ओलंपिक में खराब प्रदर्शन के बाद अपनी गलतियों को सुधारने के इरादे से उतरेगा। भारत को सात्विक और चिराग से काफी अपेक्षाएं हैं चूंकि दुनिया की पूर्व नंबर एक पुरूष युगल टीम ने 2022 इंडिया ओपन जीता था और 2025 सत्र में पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचकर अच्छी शुरूआत की।

टूर्नामेंट में दुनिया के शीर्ष 20 पुरूष एकल खिलाड़ियों में से 18 और महिला एकल में 14 शीर्ष खिलाड़ी भाग ले रही हैं। पेरिस ओलंपिक की निराशा के बावजूद चिराग और सात्विक पिछले दो साल में भारत के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी रहे हैं। चाइना मास्टर्स 2024 सेमीफाइनल खेल चुके सात्विक और चिराग का सामना पहले दौर में मलेशिया के वेइ चोंग मैन और केइ वुन ती से होगा। उन्हें चीन के ओलंपिक रजत पदक विजेता लियांग वेइकेंग और वांग चांग, पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक, डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स रासमुसेन और इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्डियांटो से कड़ी चुनौती मिलेगी।

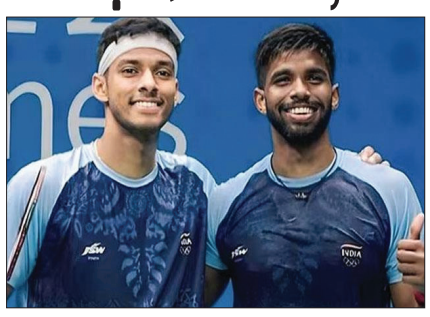

इस साल भारत से 21 प्रविष्टियां मिली है जिसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू शामिल है। सिंधू अपने विवाह के कारण मलेशिया मास्टर्स से बाहर रहने के बाद वापसी कर रही हैं। हैदराबाद की 29 वर्ष की सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीता था लेकिन उसमे अधिकांश भारतीय खिलाड़ी ही खेले थे। सिंधू का सामना पहले दौर में अनुपमा उपाध्याय से होगा। वह आगे जापान की तोमोका मियाजाकी से खेल सकती है जिसने उन्हें पिछले साल स्विस ओपन में हराया था।

सैयद मोदी खिताब जीतने वाले लक्ष्य सेन मलेशिया में शुरूआती दौर में ही बाहर हो गए थे। यहां तीन साल पहले खिताब जीत चुके लक्ष्य का सामना पहले दौर में चीन के होंग यांग वेंग से होगा। पेरिस ओलंपिक प्री क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद पांच महीने का ब्रेक लेने वाले एच एस प्रणय मलेशिया में दूसरे दौर में बाहर हो गए थे। यहां पहले दौर में उनका सामना चीनी ताइपै के लि यांग सू से होगा। इसमें जीतने पर उनकी टक्कर इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से हो सकती है।

इंदिरा गांधी स्टेडियम में केडी जाधव इंडोर हॉल में होने वाले टूर्नामेंट में ओलंपिक चैम्पियन विक्टर एक्सेलसेन, अन सी यंग और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी शि युकी जैसे धुरंधर दौड़ में हैं। भारतीयों में प्रियांशु राजावतको पहले दौर में छठी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नाराओका से जबकि मालविका बंसोड को तीसरी वरीयता प्राप्त चीन की युइ हान से खेलना है। आकर्षि कश्यप का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा। महिला युगल में भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की टक्कर जापान की अरिसा इगाराशी और अयाको साकुरामोतो से होगी। वहीं तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा का सामना ब्रिटेन की चोले कोने और एस्टेले वान लीयुवेन से होगा।

एलेक्स मिशेलसन ने ऑस्ट्रेलिया ओपन में किया उलटफेर, सितसिपास को हराया

मेलबर्न। अमेरिका के टेनिस खिलाड़ी एलेक्स मिशेलसन ने सोमवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के पहले दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी स्टेफोनोस सितसिपास को हराकर टूर्नामेंट का बड़ा उलटफेर करते हुए अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। आज यहां मिशेलसन ने दो घंटे और 43 मिनट तक चले मुकाबले में जर्मनी के स्टेफोनोस सितसिपास को 7-5, 6-3, 2-6, 6-4 से हराया। ग्रैंड स्लैम में शीर्ष-20 प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मिशेलसन की यह पहली जीत है। उन्होंने मैच के दौरान निर्भिक रणनीति के तहत शक्तिशाली सर्विस और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक लगाए। मैच के बाद मिशेलसन ने कहा, 'मैंने स्वयं को शांत रखने का प्रयास किया। मुझे मालूम था कि यह एक कठिन मुकाबला होगा, और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इसे जीत सका। यह सब आपकी मानसिकता पर निर्भर करता है। मैंने सही मानसिकता के साथ प्रदर्शन किया और अपनी रणनीति पर सही तरीके से अमल किया।'

चैंपियंस ट्रॉफी तक रोहित को ही कप्तान बनाये रखना चाहती है बीसीसीआई : रिपोर्ट

-भविष्य में बुमराह को मिल सकती है जिम्मेदारी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को अगले माह होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी तक भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान बनाये रखना चाहता है। एक रिपार्ट के अनुसार बोर्ड का मानना है कि टूर्नामेंट के ठीक पहले कोई बड़ा बदलाव करना ठीक नहीं है। वहीं भविष्य के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारतीय टीम का अगला कप्तान बनाया जा सकता है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम को मिश्रित परिणाम मिले हैं। इसमें साल 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के दौरान घरेलू मैदान पर लगातार 10 मैचों की जीत भी शामिल है। इसके अलावा उसे टी20 विश्वप में जीत मिली।

उनकी कप्तानी में ही टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल में भी पहुंची हालांकि वहां उसे हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर उसे 3-0 से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। रोहित के लिए इस साल की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में रोहित ने आठ मैचों और 15 पारियों में 10.93 की औसत से केवल 164 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 52 रहा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान वह तीन टेस्ट मैचों में केवल 31 रन ही बना सके जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 10 रहा। इस साल की शुरुआत से ही रोहित की कप्तानी में टीम छह मैच हारी है। इसमें चार मैच घरेलू धरती पर हुए थे। इससे साफ है कि कप्तान के रूप में रोहित का टेस्ट रिकॉर्ड खराब हुआ है। उसे 12 मैचों में जीत जबकि 9 में हार का सामना करना पड़ा। वहीं तीन मुकाबले ड्रॉ रहे। वहीं दूसरी ओर बुमराह ने अब तक तीन टेस्ट में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए उसे एक में जीत दिलायी है। एक जीता और दो हारे हैं। अब जबकि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी खेलने है और उसमें देखना होगा कि भारतीय टीम को प्रदर्शन कैसा रहता है। रोहित कप्तानी बरकरार रहने पर ये टूर्नामेंट जीतना चाहेंगे। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगी जबकि उसका मुकाबला पाकिस्तान से 23 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। भारत टूर्नामेंट के ग्रुप ए में मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी धारक और मेजबान पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में क्रिकेट विश्व कप 2023 चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम घोषित , बावुमा होंगे कप्तान

-नॉर्टजे और एनगिडी की हुई वापसी

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड ने अगले माह शुरु होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी टेम्बा बावुमा करेंगे। टीम में तेज गेंदबाजी जोड़ी एनरिक नॉर्टजे और लुंगी एनगिडी को भी शामिल किया गया है। ये पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर थे। दक्षिण अफ्रीका को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ग्रुप बी में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के साथ रखा गया है। नॉर्टजे और एनगिडी अब अपनी चोटों से पूरी तरह से उबर गये हैं। इस टीम में टोनी डी जोरजी, रयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और वियान मुल्डर को भी शामिल किया गया है।

हेड कोच रॉब वाल्टर ने टीम को लेकर उत्साहित होते हुए कहा, इस टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। इसमें शामिल कई पूर्व खिलाड़ियों ने दबाव के हालातों में अच्छा प्रदर्शन किया है। इस तरह के टूर्नामेंट में इस तरह का अनुभव अमूल्य है। इसमें 2023 विश्व कप टीम के कई खिलाड़ी और साथ ही नई प्रतिभाएं भी हैं। टीम के बल्लेबाजी कोच के रूप में प्रमुख इमरान खान सहायक स्टाफ में शामिल होंगे। वाल्टर ने कहा, हम इमरान के हमारे सहायक स्टाफ में शामिल होने का भी इंतजार कर रहे हैं। हम अपनी बल्लेबाजी को मजबूत करने और एक इकाई के रूप में सुधार जारी रखने के लिए वह एक बड़ी संपत्ति होंगे। दक्षिण अफ्रीका को इस टूर्नामेंट में अपना पहला मैच 21 फरवरी को अफगानिस्तान के खिलाफ करांची में खेलना है। इससे पहले 15 फरवरी को उसका मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम : टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जेनसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स और रासी वैन डेर डुसेन।

शादी के बाद फाइट के लिए तैयार पीवी सिंधू, बोली- मुझ में जीत की भूख बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडोनेशिया के अनुभवी कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा की देखरेख में अभ्यास शुरू करने वाली दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने कहा कि करियर के इस चरण में उनके पास सफलता हासिल करने के लिए अभी काफी जज्बा बाकी है। हैदराबाद की इस 29 साल की पूर्व विश्व चैंपियन ने पिछले दो साल में कई कोच के साथ काम किया है लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। इसमें पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने से विफल रहना भी शामिल है।

पिछले महीने अपनी शादी के बाद मलेशिया ओपन से चूकने के बाद इंडिया ओपन सुपर 750 में वापसी करने वाली सिंधू ने कोच इरवानस्याह की देख-रेख में अभ्यास शुरू कर दिया। इंडोनेशिया के इस कोच को जोनाथन क्रिस्टी और एंथोनी गिंटिंग जैसे पुरुष एकल खिलाड़ियों के करियर को संवारने का श्रेय दिया जाता है। सिंधू ने इंडिया ओपन की पूर्व संध्या पर कहा कि मैं अभी बेंगलुरु में कोच इरवानस्याह के देखरेख अभ्यास कर रही हूं। अभी डेढ़ सप्ताह ही हुए हैं। मूल रूप से वह महिला एकल कोच हैं और साथ ही वह कुछ युवा लड़कों को भी प्रशिक्षित कर रहे हैं। मैं उनके साथ काम जारी रखना चाहती हूं।

उन्होंने कहा कि कोच और खिलाड़ी के बीच समझ काफी अहम होती है। इसमें समय लगेगा। हमें एक-दूसरे की सोच को समझने के लिए कुछ अभ्यास सत्रों की आवश्यकता होगी। भारत की इस शीर्ष महिला खिलाड़ी ने कहा कि मैंने उसके बारे में बहुत कुछ सुना है और मुझे लगा कि वह मेरे लिए सही कोच है। जिस तरह से वह प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को लेकर जिस तरह से योजना बनाते हैं वह शानदार है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ठंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

ठंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिंदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स.

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते है जिसमें नारियल तेल हो।

शैम्पू करने से पहले डैड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्कें हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।

शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं?

खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।

पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की-सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

कुर्ते से लगें स्मार्ट

कुर्ते आज भी उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। बस, इसकी स्टाइल में थोड़ा बदलाव जरूर देखने को मिल रहा है। आजकल पाकिस्तानी सूट ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लड़कियां जोधपुरी शैली के सलवार कुर्ते भी बनवाना पसंद करती हैं। ये कुर्ते ढीले-ढाले और कई रंगों में उपलब्ध होते हैं। आम तौर पर लोगों की राय है कि आज के आधुनिक युग में लड़कियां जींस आदि पहनना ही पसंद करतीं हैं और सलवार कुर्ते तथा अन्य पारंपरिक कपड़ों का चलन कम हो रहा है, लेकिन फैशन डिजाइनरों की राय इससे अलग है। उनका कहना है कि आज भी लड़कियां सलवार कमीज बनवाना पसंद करतीं हैं और अब तो इसमें रेट्रो फैशन की झलक भी देखने को मिल रही है। आजकल तो लड़कियां जींस के साथ भी लांग और शार्ट कुर्ते पसंद करतीं हैं। सलवार के साथ शार्ट कुर्ते या अनारकली स्टाइल के कुर्ते ज्यादा देखे जा रहे हैं। संगीता का कहना है कि कुर्ते को जींस, लेगिंस और जेगिंस, मतलब डेनिम स्टाइल की जींस की तरह दिखने वाली सलवार के साथ पहनने का फैशन काफी प्रचलन में है। केवल सलवार कमीज ही नहीं, दुल्हन के लहंगों में भी आधुनिकता और पारंपरिकता का मिश्रण देखने को मिल रहा है। सलवार कमीज का जादू कुछ और ही होता है। इस आउटफिट में थोड़ी सी तब्दीली करते ही इसे इंडो वेस्टर्न लुक दिया जा सकता है। आइए जानते हैं सलवार-कुर्ते से जुड़े कुछ टिप्स-

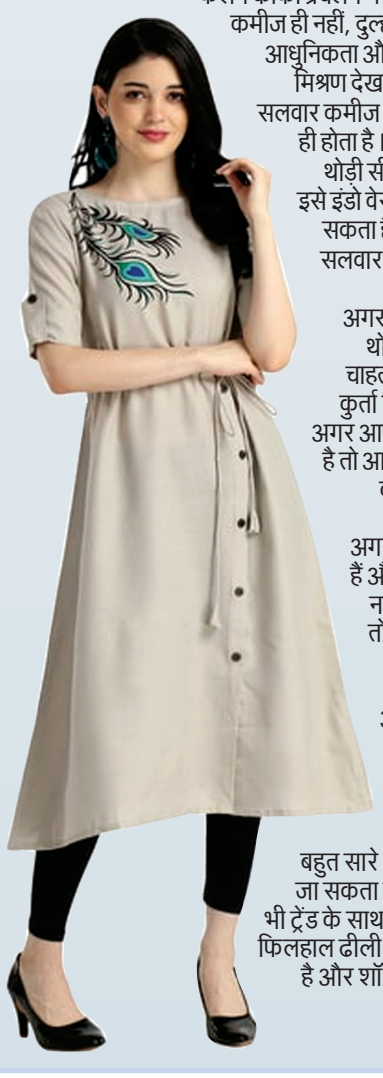

अगर आप अपनी हाइट थोड़ी ज्यादा दिखाना चाहती हैं, तो थोड़ा लंबा कुर्ता सिलवाएं। मसलन अगर आपकी हाइट 5'3'' है तो आपको 47-48 इंच का कुर्ता सिलवाना चाहिए।

अगर आपके हाथ मोटे हैं और आप स्लीवलेस नहीं पहन सकती हैं, तो 5 इंच की स्लीव्स बनवा लें। इससे आपके हाथ का अतिरिक्त मांस भी छिप जाएगा और आपके हाथ दुबले दिखेंगे। सलवार को बहुत सारे स्टाइल्स में पहना जा सकता है। इनका स्टाइल भी ट्रेंड के साथ बदलता रहता है। फिलहाल ढीली सलवार फैशन में है और शॉर्ट कुर्ते ने एक बार फिर एंट्री की है।

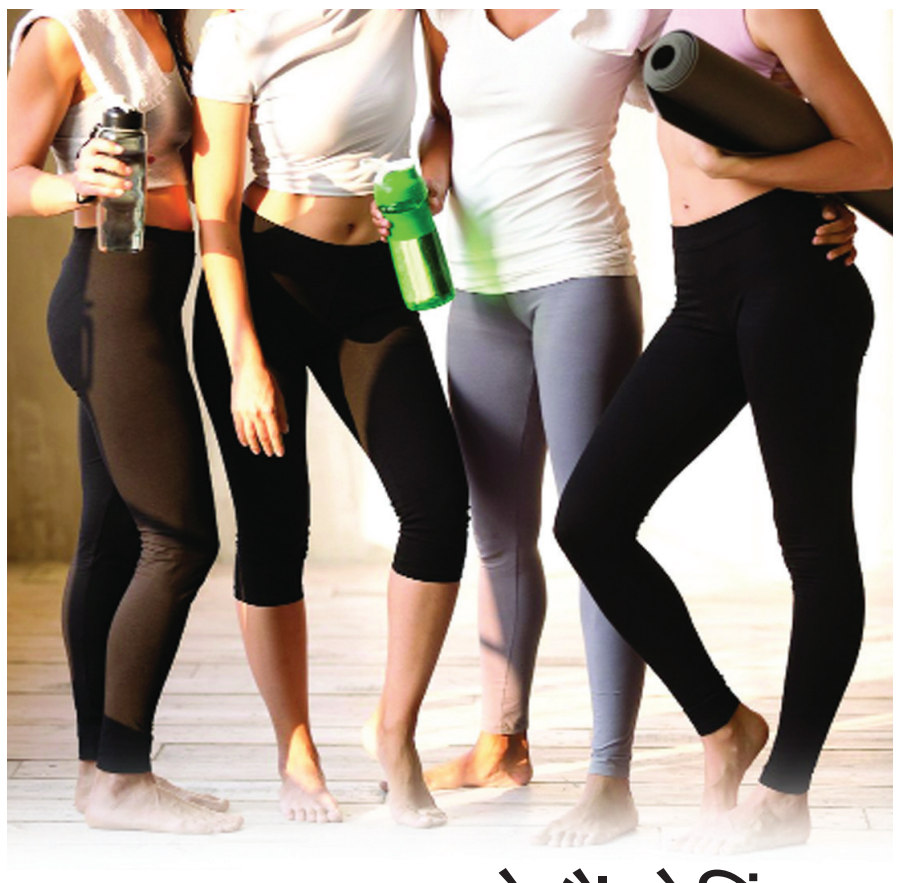

क्या आप जानते हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका

जब भी कम्फर्ट की बात आती है तो सबसे पहले हम लेगिंग्स के बारे में सोचते हैं, क्योंकि लेगिंग्स काफी आरामदायक होती है। लेकिन इसे पहनने में हम कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं जिसके कारण हम हंसी के पात्र बन जाते हैं।

क्या आप जानती हैं लेगिंग्स पहनने का सही तरीका? अगर हां तो यह बहुत बढ़िया बात है और यदि आपका जवाब ना है तो इस लेख को पढ़कर आप इस बारे में पूरी जानकारी पा सकते हैं।

हमने अक्सर ऐसी कुछ महिलाओं को देखा है, जो लेगिंग्स के साथ क्रॉप टॉप ट्राई कर लेती हैं। लेकिन यदि आप भी ऐसी गलती करती हैं तो इसे छोड़ दें, क्योंकि लेगिंग्स के साथ कभी भी क्रॉप टॉप नहीं पहना जाता। यह दिखने में बहुत भद्दा लगता है।

ये तो बात हुई क्रॉप टॉप कि लेकिन अगर आप छोटे टॉप पर लेगिंग्स पहनने का विचार कर रही हैं तो इसे बिलकुल भी ट्राई न करें, भले ही आप कितनी भी स्लीम ट्रीम क्यों न हों, पर छोटे टॉप के साथ लेगिंग्स की यह स्टाइल आप पर बिलकुल अच्छा नहीं लगेगी। आपको ऐसी अंडरवियर पहनना चाहिए जिसमें हेमलाइन लेगिंग्स के ऊपर नजर न आए। ऐसे लेगिंग्स पहनने में बहुत अजीब सा लगता और आप इसमें कम्फर्टेबल भी नहीं रह सकती हैं।

प्रिंटेड लेगिंग्स को न करें ट्राई

आप प्रिंटेड लेगिंग्स ट्राई न ही करें तो बेहतर है, क्योंकि ये पहनने में बिलकुल भी अच्छे नहीं लगते। इसलिए अगर आप लेगिंग्स लेने जा रही हैं, तो प्रिंटेड लेगिंग्स न ही लें तो बेहतर है।

पाएं हाई हील्स की तकलीफ से छुटकारा

अधिकतर लड़कियां हिल्स पहनना तो चाहती है, लेकिन उन्हें लगता है कि इसे पहनना काफी तकलीफभरा हो सकता है, लेकिन एक अच्छी और स्टाइलिश ड्रेस के साथ हिल्स काफी अच्छी लगती है पर पैरों की तकलीफ के कारण इसे नहीं चुनते हैं। लेकिन हम यहां आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे है जिन्हें अपनाकर आप हाई हिल्स में कंफर्टेबल हो सकती है हम ये नहीं कहते कि हिल्स में आप बहुत आरामदायक महसूस करेंगी लेकिन कुछ टिप्स को अपनाकर आप हाई हिल्स पहनने से होने वाली दिक्कतों से बच सकती हैं.तो आइए, जानते हैं कि हाई हील्स पहनने के दौरान होने वाली परेशानी को आप कैसे कम कर सकती हैं

सैंडिल के सही साइज का चुनाव करें

हील्स वाली सैंडिल में आपके पैर आगे की ओर पुश होते हैं, ऐसे में अपने लिए सही साइज की सैंडिल का चुनाव करें।

अपना फुट टाइप पहचानें

सभी के फुट अलग-अलग होते हैं, किसी के पैर के पंजे चौड़े तो किसी के पतले होते हैं। अपने पंजे के अनुसार सैंडिल के आगे की डिजाइन चुनें, जिससे कि आपके पैर आगे से दबे नहीं।

मोटी हील को प्राथमिकता दें

मोटी हील आपके पैरों को ज्यादा कवरेज और सपोर्ट देती हैं। इसे पहनने से आपकी एड़ियों पर कम दबाव पड़ेगा, जिससे पैरों में दर्द भी कम होगा।

ब्रेक लें

पार्टी व किसी खास अवसर पर ही हाई हील्स पहनें। यदि इसके अलावा भी पहनें तो कभी-कभी फ्लेट चप्पल पहनें और अपने पैरों को थोड़ा ब्रेक दें।

हील की पोजीशन का ख्याल रखें

आपके जूते ऐसे होने चाहिए जिसमें बॉडी का भार पंजों और हील दोनों पर रहे। वरना पंजो या फिर हील पर ज्यादा प्रेशर पड़ेगा। ऐसा होने पर पैरों में दर्द शुरू हो सकता है। इसलिए हील की पोजीशन का ख्याल जरूर रखें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑनलाइन जुआ खेलने की लत, सब कुछ हारे... कर ली आत्महत्या

बेंगलुरु । बेंगलुरु में दो पुरुषों ने ऑनलाइन जुए में बड़ी रकम हारने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, दोनों ने मानसिक तनाव और पैसे की कमी के कारण आत्महत्या करने का कदम उठाया। वे लगातार ऑनलाइन जुआ खेलकर हार रहे थे, इससे वे आर्थिक रूप से टूट गए थे। पहली घटना 8 जनवरी को हुई, जब एक 30 वर्षीय व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दूसरी घटना 10 जनवरी को हुई, जब एक और 35 वर्षीय व्यक्ति ने भी अपने घर में जान दी। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने इन दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि दोनों व्यक्तियों ने अपने परिवार और दोस्तों से इस बारे में कोई बात नहीं की थी। जांच में सामने आया कि दोनों ने कई बार ऑनलाइन जुआ खेलकर अपनी सारी बचत खो दी थी। इसकारण वे मानसिक रूप से परेशान थे। पुलिस ने लोगों को ऑनलाइन जुए के खतरों के बारे में जागरूक करने की अपील की है।

12 लाख साल पुरानी बर्फ से पृथ्वी की जलवायु और पर्यावरण का परीक्षण

नई दिल्ली । दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिकों द्वारा 2.8 किलोमीटर की गहराई से ड्रिल करके बर्फ निकल गई है। इसे 12 लाख वर्ष पुरानी बर्फ माना जा रहा है। इस बर्फ का परीक्षण दुनिया के कई देश के वैज्ञानिक एक साथ मिलकर करेंगे। ताकि जलवायु और पर्यावरण में किस तरह के बदलाव आ रहे हैं। इसका अध्ययन किया जा सके। हिम युग में जो तापमान और ग्रीन हाउस मे गैसों के बीच के क्या संबंध था। पृथ्वी के बढ़ते तापमान पर इसका क्या असर भविष्य में हो सकता है। इसका परीक्षण वैज्ञानिक कर रहे हैं। इसके पहले यही टीम 8 लाख साल पुरानी बर्फ का नमूना निकाल चुकी है। अब 12 लाख साल पुरानी बर्फ का परीक्षण किया जाएगा। वैज्ञानिकों की इस टीम में 16 वैज्ञानिक हैं। जो पिछले 4 साल से अंटार्कटिका की कड़ी ठंड के बीच यह परीक्षण कर रहे हैं। इस परीक्षण के लिए बेल्जियम, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी,इटली,नॉर्वे, स्वीडन, स्वीटजरलैंड, नीदरलैंड तथा ब्रिटेन की सरकारों द्वारा आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है। इस परीक्षण से वैज्ञानिक यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं। हिम युग से लेकर अभी तक किस तरह के बदलाव पृथ्वी में आए हैं। उसको जानने के लिए इस परीक्षण से बहुत बड़ी मदद मिलेगी।

बारामूला के जंगल में लगी आग, वन विभाग और अग्निशमन की टीमें तैनात

बारामूला। बारामूला जिले के सोपोर के रामपोरा राजपोरा इलाके में जंगल में आग लग गई है। आग जो कंपार्टमेंट 33 और 38 में शुरू हुई ने जंगल के एक महत्वपूर्ण हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है, जिससे हरा भरा क्षेत्र और वनस्पति को काफी नुकसान पहुंचा है। आग की लपटों पर काबू पाने के लिए वन सुरक्षा बल, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं सहित वन विभाग की टीमों को तैनात किया गया है। आग लगने का कारणों का पता नहीं चला सका है। यह घटना कश्मीर घाटी में लंबे समय तक शुष्क रहने और बढ़ते तापमान के कारण जंगल में लगने वाली आग का हिस्सा है। नमी की कमी ने इस क्षेत्र को अत्यधिक संवेदनशील बना दिया है, जिससे कई वन क्षेत्रों में कई बार आग लग जाती है। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे उन्हें तुरंत ही आग की सूचना दें ताकि समय रहते बचाव कार्य शुरू किया जा सके। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी बरतें और स्थिति नियंत्रण में होने तक प्रभावित वन क्षेत्रों में ना जाएं।

रांची में लाखों की ठगी कर भागा मुंबई, स्टाल लगा कर बेचने लगा चाऊमीन

-पुलिस की टेक्निकल सेल ने ट्रेस कर दबोचा, जेल भेजा

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में लाखों रुपए की ठगी करने के बाद आरोपी मुंबई भाग गया और पुलिस से बचने के लिए चाऊमीन का स्टाल लगाकर बेचने लगा। जब रांची में उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ तो पुलिस की टेक्निकल सेल ने उसे ट्रेस किया उसके बाद रांची पुलिस ने मुंबई से आरोपी रविंद्र राणा को गिरफ्तार किया। आरोपी रांची के सुखदेव नगर इलाके में एचआर एंटरप्राइजेज नाम से दुकान चलाता था। रांची के पुंदाग के रहने वाले कारोबारी शैलेंद्र कुमार पाठक ने रविंद्र राणा पर 22 लाख 50 हजार की धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवाई थी। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी राणा ने शैलेंद्र पाठक से इलेक्ट्रिकल तार खरीदने के लिए पैसे लिए थे। काफी दिन बीत जाने के बाद जब शैलेंद्र ने पैसे मांगे तो आरोपी राणा मोबाइल बंद कर मुंबई भाग गया। इतना ही नहीं आरोपी राणा ने शैलेंद्र को एक चेक भी दिया था जो बाउंस हो गया। राणा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज होने के बाद रांची पुलिस की टीम मुंबई गई और आरोपी को धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक फरार आरोपी राणा मुंबई जाने से पहले बिहार के गया और झारखंड के बोकारो में पनाह लिए हुए था। पुलिस ने वहां भी नोटिस भेजा, लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। फिर टेक्निकल सेल से जानकारी मिली कि आरोपी रविंद्र राणा मुंबई में रह रहा है और वहां चाऊमीन बेच रहा है। राणा को उसकी दुकान से ही गिरफ्तार कर रांची लाया गया और उसे जेल भेज दिया गया है।

70 फीट नीचे गिरने से हाथी की मौत

नीलगिरी । भोजन की तलाश में भटके एक हाथी 70 फीट नीचे गिरने से मौत हो गई। दरअसल, जलवायु परिस्थितियों में बदलाव के बाद हाथियों के कई झुंड भोजन और पानी की तलाश में केरल और तमिलनाडु के बीच वन क्षेत्र से आ रहे हैं। इस तरह के प्रवास के दौरान, कुछ हाथी भटक जाते हैं और दुर्गम इलाकों में चले जाते हैं। ऐसा ही एक हाथी जिसकी उम्र 33 साल है, उबड़-खाबड़ इलाके से गुजरते समय फिसलकर एक बड़ी चट्टान के ऊपर गिर गया था। वन अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई और वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि हाथी थोड़ा आगे बढ़ रहा था, लेकिन इसके पहले कि वन अधिकारी बचाव कर पाते, हाथी फिर फिसलकर गिर गया और 6वें हेयरपिन बेंड के पास एक खाई में जा गिरा।

ठीक नहीं लग रहे ड्रेगन के मंशूबे: अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास कॉम्बैट ड्रिल शुरू कर दी है। चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की शिनजियांग मिलिट्री कमांड के रेजिमेंट की अगुवाई में यह युद्धाभ्यास किया गया। कुल मिलाकर चीन के मंशूबे ठीक नहीं लग रहे हैं और न ही वो अपनी हरकतों से बाज आ रहे हैं। बता दें कि देपसांग और डेमचोक जैसे क्षेत्रों में गश्ती फिर से शुरू होना दोनों देशों के बीच के संबंधों में नरमी का संकेत देता है, लेकिन चीन की ओर से लगातार किए जा रहे सैन्याभ्यास से पता चलता है कि अभी स्थाई शांति का रास्ता लंबा और चुनौतियों भरा है।

चीन के इस कॉम्बैट ड्रिल में सभी इलाकों में इस्तेमाल लाए जाने वाहनों, मानव रहित सिस्टम और ड्रोन सहित सेना की उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया गया। चीन की ओर से यह कदम ऐसे समय में उठाया जा रहा है, जब भारत और चीन के बीच शांति बनाए रखने की दिशा में काम कर रहे हैं। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपने सैनिकों को पीछे हटाने और फिर से पेट्रोलिंग शुरू करने को लेकर 21 अक्टूबर 2024 को एक एग्रीमेंट हुआ था। यह एग्रीमेंट 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव को कम करने की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम था। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने देपसांग और डेमचोक जैसे संवेदनशील इलाकों में गश्ती बहाल करने पर सहमति जताई थी। भारत के एनएसए अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद यह एग्रीमेंट हुआ था। इस एग्रीमेंट के बावजूद भी दोनों पक्षों के बीच अनिश्चितता बनी हुई है। दोनों देश कठिन परिस्थितियों में भी बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती किए हुए हैं।

चीन की ये ड्रिल महज ट्रेनिंग का हिस्सा नहीं है। चीन स्ट्रैटेजिक तरीके से ऐसा कर रहा है। वह विवादित क्षेत्रों में तेजी से सेना जुटा रहा है। उदाहरण के लिए एक्सोस्केलेटन के इस्तेमाल से चीनी सैनिकों को ऊंचाई वाले इलाकों में फायदा मिल रहा है और वे आसानी से सैन्याभ्यास कर पा रहे हैं।

ऐसे में भारत को सतर्क बने रहने और लद्दाख में सैन्य आधुनिकीकरण के प्रयासों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। भारतीय सेना भी शीतकालीन युद्धाभ्यास कर रही है, बुनियादी ढांचे को उन्नत कर रही है और चीन के किसी भी तरह के संभावित हमले मुकाबला करने के लिए अपने सर्विलांस सिस्टम क और मजबूत कर रही है।

औवेसी, पप्पू यादव और चंद्रशेखर के बीच पक रही सियासी खिचड़ी... महागठबंधन के लिए खतरा

मोतिहारी। बिहार की राजनीति में एनडीए और महागठबंधन के अलावा एक नए राजनीतिक समीकरण की सुगबुगाहट सुनाई दे रही है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम, जन अधिकार पार्टी के नेता पप्पू यादव और आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद के बीच गठबंधन की चर्चा सियासी गलियारे में सुनाई दे रही है। यह पहल बीपीएससी पेपर लीक मामले में हुए बिहार बंद के दौरान सामने आई। एआईएमआईएम नेता और शिवहर के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी राणा रंजीत सिंह ने मोतिहारी में संभावित गठबंधन के संकेत दिए। राणा का कहना है कि एनडीए और महागठबंधन अपने अहंकार में डूबे हुए है और बिहार को एक नए विकल्प की जरूरत है। सिंह के मुताबिक बिहार की जनता दोनों गठबंधनों से परेशान है, क्योंकि वे सिर्फ सत्ता की राजनीति में उलझे है और जनता के मुद्दों की अनदेखी कर रहे है। उन्होंने कहा कि अगर यह नया गठबंधन बनता है, तब यह बिहार को एक मजबूत और जनहितैषी विकल्प दे सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर गठबंधन साकार होता है, तब बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। तीनों नेताओं का एक साथ आना एनडीए और महागठबंधन के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव: राहुल गांधी ने कांग्रेस के प्रचार अभियान का सीलमपुर से किया आगाज़

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान का आगाज़ सीलमपुर से कर दिया है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में आयोजित एक जनसभा में उन्होंने कांग्रेस के लिए वोट मांगे और जनता से केंद्र में भाजपा तो दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकारों को बदलने का आह्वान किया।

इस रैली का आयोजन जय बापू, जय भीम, जय संविधान थीम के तहत किया गया था, जिसमें संविधान, सामाजिक न्याय और विकास पर जोर दिया गया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा, कि यह चुनाव दिल्ली की जनता के हक और संविधान की रक्षा के लिए है। कांग्रेस दिल्ली को फिर से एक बेहतर और सुरक्षित राजधानी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी काजी निज़ामुद्दीन ने कहा, कि राहुल गांधी जहां भी जाते हैं, जनता के मुद्दों को उठाने में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। दिल्ली में उनकी यह पहली रैली पार्टी के लिए अहम है और इसे सफल बनाने के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी ताकत से जुटे हैं।

यहां बताते चलें कि सीलमपुर की यह रैली कांग्रेस के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कांग्रेस का प्रयास है कि इस क्षेत्र में अपने पारंपरिक जनाधार को फिर से मजबूत किया जाए। दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए मतदान 5 फरवरी को होगा, जबकि मतगणना 8 फरवरी को होगी। राहुल गांधी की इस रैली के साथ ही कांग्रेस ने अपने चुनाव प्रचार अभियान को गति दे दी है और उम्मीद की जा रही है कि इससे पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी।

दिल्ली की 27 सीटों पर हार-जीत तय करते हैं यूपी और बिहार के लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सत्ता में लगातार पूर्वांचलियों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। यहां 22 फीसदी के करीब पूर्वांचली मतदाता हैं जो 27 विधानसभा सीटों पर हार जीत में अहम भूमिका निभाते हैं। यही कारण है कि पूर्वांचलियों के सम्मान पर सियासत तेज हो गई है। कई ऐसी सीटें भी हैं जहां इनकी संख्या 25 से 38 फीसदी तक है। सभी राजनीतिक दलों ने पूर्वांचल समाज के लोगों को पार्टी में महत्वपूर्ण पदों के साथ-साथ टिकट देने में तवज्जो दी है। आम आदमी पार्टी की ओर से 2020 के चुनाव में पूर्वांचल के लोगों को 12 सीटों पर टिकट दिए थे। पार्टी ने इस बार भी करीब 12 पूर्वांचली चेहरों को चुनाव मैदान में उतारा है।

साल 2013 से पहले कांग्रेस ने भी पूर्वांचली मतदाताओं, ब्राह्मण और मुस्लिमों की सोशल इंजीनियरिंग के जरिए 15 साल दिल्ली की सत्ता पर राज किया। अब 2025 में हो रहे विधानसभा चुनाव में भी इनपर सभी दलों की नजरें हैं। इसी हिसाब से सभी दल अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं और टिकट वितरण में इसका खास ध्यान रख रहे हैं। पूर्वांचली मतदाता अधिकांश कच्ची कॉलोनियों में रहते हैं। वहां पर कई समस्याओं का सामना निवासियों को करना पड़ रहा है। इन कॉलोनियों में खासकर पानी की आपूर्ति, सीवर नेटवर्क, सड़कों की प्रमुख समस्या है। साथ ही कई जगह डिस्पेंसरी भी नहीं है। इनके अलावा रोजगार इनका प्रमुख मुद्दा है।

राजधानी दिल्ली की सियासत में पूर्वांचली मतदाताओं का स्थान काफी अहम है। चुनाव में ये मतदाता जिस ओर जाएंगे, उस राजनीतिक दल का पलड़ा सबसे भारी नजर आएगा। ऐसे में पूर्वांचली मतदाताओं की बड़ी संख्या की वजह से ही भाजपा ने भोजपुरी गायक मनोज तिवारी को दिल्ली में स्थापित किया और लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया। यहां के मतदाताओं ने भी मनोज तिवारी को अपना आशीर्वाद दिया और तीनों बार बड़े अंतर से जीत दिलाई। वर्ष 2016 में भाजपा ने मनोज तिवारी को दिल्ली भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया और उनके नेतृत्व में 2017 में दिल्ली नगर निगम का चुनाव लड़ा। इन्हीं पूर्वांचली मतदाताओं के सहारे भाजपा ने चुनाव में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया और दिल्ली नगर निगम में काबिज हुई। इन चुनाव में भाजपा के 181 पार्षद, आप के 49 और कांग्रेस के 31 पार्षद जीतकर नगर निगम में पहुंचे थे। मनोज तिवारी को पूर्वांचल का चेहरा बनाने से भाजपा को चुनाव में काफी फायदा हुआ।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के इन प्रवासी लोगों के भरोसे ही वर्ष 2020 में जदयू, आरजेडी और लोजपा ने भी दिल्ली में उम्मीदवार उतारे थे। लोजपा और जेडीयू ने एनडीए गठबंधन में तो आरजेडी ने कांग्रेस से गठबंधन कर चार सीटों पर चुनाव लड़ा था। हालांकि, इन्हें दिल्ली चुनाव में मतदाताओं ने ज्यादा तवज्जो नहीं दी थी। पिछले चुनाव में आप और भाजपा के बीच ही मुख्य मुकाबला था।

आस्था से विदेशी सराबोर: कोई बना नागा साधू तो किसी ने खुद को बताया पिछले जन्म का भारतीय

प्रयागराज (एजेंसी)। इटली से आई एमा और उनके दो दोस्तों के लिए महाकुंभ का अनुभव कुछ विशेष है। एमा, जो योग शिक्षिका हैं, भारत की संस्कृति और आध्यात्मिकता के प्रति गहरी रुचि रखती हैं, ने कहा, मुझे ऐसा लगता है कि मैं अपने पिछले जन्म में भारतीय थी। भारतीय संगीत, भजन और कीर्तन मुझे बहुत पसंद हैं। महाकुंभ में यहां की व्यवस्था अद्भुत है। एमा और उनके दोस्त इस बार कुंभ में भाग लेने आए हैं और दुनिया के सबसे बड़े सामूहिक स्नान का अनुभव करना चाहते हैं।

एमा के साथी पिएत्रो और स्टीफानो भी इस यात्रा से प्रभावित हैं। पिएत्रो ने कहा, मैं योग साधक हूं और भारतीय संस्कृति का थोड़ा ज्ञान है। कुंभ मेला सनातन धर्म का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है। स्टीफानो ने बताया, मेरे रूसी दोस्तों ने इस आयोजन के बारे में जो अनुभव साझा किए, उसने मुझे यहां आने के लिए प्रेरित किया। इस साल महाकुंभ में 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है, जो गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम में अमृत स्नान करेंगे।महाकुंभ, जो हर 12 साल में एक बार आयोजित होता है, आज से पौष पूर्णिमा स्नान के साथ शुरू हो गया है। इस बार महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ लोग शामिल होने की उम्मीद है। संगम के तट पर गंगा, यमुना और सरस्वती के मिलन स्थल पर एक विशाल मेला स्थल तैयार किया गया है, जहां देश-विदेश के लाखों श्रद्धालु आकर पवित्र स्नान करेंगे।

महाकुंभ में सुरक्षा को लेकर कड़े इंतजाम किए गए हैं। 2,700 एआई कैमरे और 113 पानी के नीचे के ड्रोन जलमार्गों की निगरानी करेंगे, जबकि पांच वज्र वाहन, 10 ड्रोन और चार एंटी-सैबोटाज टीमें चौबीसों घंटे गश्त करेंगी। प्रयागराज पुलिस ने लगभग 40,000 पुलिसकर्मियों और साइबरक्राइम विशेषज्ञों के साथ व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। महाकुंभ के पहले दिन, 13 जनवरी को लाखों श्रद्धालु संगम में स्नान करने के लिए पहुंचे। 50 लाख श्रद्धालुओं ने रविवार को डुबकी लगाई, और अब तक करीब 17 लाख लोग स्नान कर चुके हैं। महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा, और श्रद्धालु इस दौरान कल्पवास करने के लिए संगम तट पर एक महीने तक रहेंगे।

नवी मुंबई में बनकर तैयार हुआ इस्कॉन मंदिर, 15 को पीएम मोदी के हाथों लोकार्पण

मंदिर के निर्माण में करीब 200 से 250 करोड़ रुपए की लागत आई

नवी मुंबई (एजेंसी)। नवी मुंबई के खारघर में स्थित इस्कॉन मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। यह मंदिर करीब 9 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें से 2.5 एकड़ क्षेत्र में भव्य मंदिर बना है। 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों इस भव्य मंदिर का लोकार्पण होगा। इससे पहले, 9 जनवरी से यहां सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आगाज हो चुका है। भजन सम्राट अनूप जलोटा भी अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं। इसके अलावा, अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी भी कार्यक्रम में शामिल होने वाली हैं। मंदिर के पुजारी ने बताया कि पहले जब वे गीता का प्रचार करने के लिए दूर-दूर से आते थे, तब लोगों ने उन्हें यहां एक मंदिर बनाने की सलाह दी थी। इसके बाद, उन्होंने सिडको से जमीन लेकर मंदिर बनाने का काम शुरू किया। मंदिर के निर्माण में करीब 200 से 250 करोड़ रुपए की लागत आई है और अब यह भव्य मंदिर तैयार हो चुका है। इस्कॉन मंदिर के महाराज सुर दास महाराज ने बताया, जब मैं प्रचार करता था, तब लोग मुझसे कहते थे कि आप प्रचार करने के लिए आते हैं, तब यहां एक मंदिर भी बनवा दीजिए। मैंने सोचा कि यह सब कैसे होगा? जमीन बहुत महंगी है। लोग बोले, सेठ के पास जाइए, तब मैंने आवेदन किया। यह प्रक्रिया सात साल तक चली और उसके बाद हमें जमीन मिली। तब 3,500-4,000 करोड़ रुपए जमीन में लगे थे। अब तक पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 200 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इस मंदिर को बनाने में भक्तों का बहुत योगदान है, जिनकी मदद से हम ये मंदिर बना पाए। मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इस मंदिर के निर्माण में सहयोग किया। महाराज ने कहा, हमारे अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावना संघ का क्षेत्र लगभग नौ एकड़ में फैला हुआ है, इसमें पांच एकड़ में सुंदर बागीचा तैयार किया है। आजकल मुंबई में हरियाली की कमी है, लेकिन हम लोगों ने मंदिर के अंदर हरियाली बढ़ाई है। यहां आकर लोग शांति और शुद्ध वातावरण का अनुभव करते हैं। इस स्थान पर ठाकुर जी राधा-मदनमोहन, ललिता-विशाखा, सीता-राम और हनुमान जी का विग्रह स्थापित होगा और यह स्थान सभी भक्तों को आशीर्वाद देगा। उन्होंने कहा कि, हमारे यहां बहुत सारे सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम होते हैं, जिसमें आप भी भाग ले सकते हैं। हमारे आयुर्वेदिक कॉलेज में भागवत गीता, भागवतम और आत्मज्ञान से संबंधित अन्य ग्रंथों की शिक्षा दी जाती है। यहां एक सुंदर भोजनालय भी है, जो प्रभुपाद जी ने गोविंदाज नाम से स्थापित किया था। हर रविवार को यहां मुफ्त प्रसाद मिलता है। लेकिन, इसका उद्देश्य केवल भोजन देना नहीं है, बल्कि साथ में भागवत गीता और आत्मज्ञान भी देना है। हम प्रसाद के साथ भगवान का नाम और ज्ञान प्रदान करते हैं और यह तरीका लोगों को बहुत पसंद आता है।

दो मुस्लिम चेहरों के बीच भाजपा का हिंदू कार्ड कितना दिखाएगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए 29 सीटों पर उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। पार्टी अभी तक कुल 58 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। उम्मीदवारों के ऐलान में जातिगत समेत कई तरह की समीकरणों का ध्यान रखा गया है। 27 सालों से दिल्ली में सत्ता का इंतजार कर रही भाजपा ने अभी तक किसी सीट पर मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारा है।

पार्टी ने तीन ऐसी सीटों पर भी हिंदू चेहरे दिए हैं जिन पर आप और कांग्रेस ने दोनों ने मुस्लिम प्रत्याशी उतारे हैं। पार्टी की कोशिश दो मुस्लिम उम्मीदवारों के बीच हिंदू वोटर्स को अपने पक्ष में गोलबंद करने की है।पुरानी दिल्ली की बल्लीमारान की मुस्लिम बहुल सीट पर भाजपा ने कमल बागड़ी को चुनाव मैदान में उतारा है, जो रामनगर वार्ड से पार्षद हैं। भाजपा ने यहां दो मुस्लिम उम्मीदवारों के बीच बागड़ी को उतारा है। आप ने इस सीट पर इमरान हुसैन को टिकट दिया है तो कांग्रेस ने दिग्गज नेता हारुन यूसुफ को पर दांव लगाया है। यहां दोनों ही मुस्लिम उम्मीदवार बेहद मजबूत हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दो बड़े मुस्लिम चेहरों के बीच इस जंग का फायदा बागड़ी उठा सकते हैं।

मटिया महल भी दिल्ली की एक मुस्लिम बहुल सीट है। भाजपा ने दिल्ली गेट से भाजपा की पूर्व पार्षद प्रत्याशी और युवा नेता दीप्ति इंदौरा पर भरोसा जताया है। मटिया महल सीट पर आम आदमी पार्टी ने शोएब इकबाल पर भरोसा जाता है तो कांग्रेस ने असीम अहमद खान को टिकट दिया है।

वहीं सीलमपुर में भी मुस्लिम वोटर्स ही हार जीत तय करते हैं। इस सीट पर अभी तक सिर्फ मुस्लिम उम्मीदवारों को ही जीत मिली है। लेकिन भाजपा ने एक बार फिर हिंदू चेहरे पर दांव लगाया है। भाजपा ने अनिल गौड़ को टिकट दिया है। अनिल गौड़ मौजपुर से निगम पार्षद हैं। आप ने यहां से चौधरी जुबैर अहमद को टिकट दिया है तो कांग्रेस ने आप के बागी विधायक अब्दुल रहमान को उतारा है। देखना दिलचस्प होगा कि क्या जुबैर और अब्दुल रहमान के बीच अधिक से अधिक मुस्लिम वोटर्स को पाने की जंग का फायदा अनिल गौड़ उठा पाएंगे?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

लॉस एंजिल्स में जंगल की आग ने बदली दिशा, नया खतरा पैदा हुआ

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। इस सप्ताह लॉस एंजिल्स के कई इलाकों में लगी भीषण आग की दिशा शनिवार को बदल गई, जिससे अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के आदेश दिए गए। इससे थके हुए अग्निशामकों के लिए नई चुनौती सामने आ गई। मंगलवार से शुरू हुई छह आग की घटनाओं में अब तक कम से कम 11 लोगों की मौत हो चुकी है और 10,000 इमारतें जलकर राख हो चुकी हैं। मृतकों की संख्या और बढ़ने की संभावना है क्योंकि अग्निशामक घर-घर जाकर तलाशी ले रहे हैं। शुक्रवार रात को तेज़ हवाएँ थोड़ी कम हो गईं, लेकिन पैलिसेड्स फायर की आग ने एक नई दिशा पकड़ ली है और ब्रेंटवुड और सैन फर्नांडो घाटी की तरफ बढ़ रही है, जिससे एक और निकासी आदेश जारी किया गया है। एलए फायर डिपार्टमेंट के कैप्टन एरिक स्कॉट के अनुसार, पैलिसेड्स की आग ने अब पूर्वी हिस्से में एक नई महत्वपूर्ण आग पकड़ ली है और यह उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रही है।

पेशावर अदालत का चौंकाने वाला फैसला- पाकिस्तान में ही रहेंगे 100 अफगान गायक और संगीतकार

पेशावर , एजेंसी। पेशावर उच्च न्यायालय ने पाकिस्तान में राजनीतिक शरण चाहने वाले 100 से अधिक अफगान संगीतकारों के जबरन निर्वासन पर रोक लगा दी है और संघीय सरकार को दो महीने में उनके मामलों पर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। पेशावर उच्च न्यायालय की दो-सदस्यीय खंडपीठ ने शुक्रवार को दलीलें सुनने के बाद मामले का निपटारा कर दिया और सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे दो महीने के दौरान उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न करें। न्यायमूर्ति वकार अहमद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने हशमतुल्लाह द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। हशमतुल्लाह ने दलील दी कि वे अफगानिस्तान के रहने वाले हैं, लेकिन तालिबान सरकार की स्थापना के बाद अपनी जान को खतरा देखते हुए वे पाकिस्तान चले आए। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि वे पहले ही अपनी आजीविका खो चुके हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में उन्हें और अधिक उत्पीड़न तथा जबरन निर्वासन की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है, जो मानवाधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने दलील दी कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत, पाकिस्तानी सरकार उन्हें जबरन निर्वासित नहीं कर सकती। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता मुमताज अहमद और संघीय सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सहायक अटॉर्नी जनरल राहत अली नकवी अदालत में मौजूद रहे। पीठ ने याचिकाओं का निपटारा कर दिया और संघीय सरकार या उसके नामित अधिकारियों को दो महीने के भीतर अफगान संगीतकारों के शरण देने संबंधी आवेदनों पर निर्णय लेने का निर्देश दिया। इसके अलावा आदेश में कहा गया है कि अफगान संगीतकार संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) के पास शरण के लिए आवेदन कर सकते हैं।

दक्षिण कोरिया में चैट जीपीटी एआई का क्रेज बढ़ा, दिसंबर में 900 मिलियन मिनट तक उपयोग

पेशावर , एजेंसी। दिसंबर 2024 में दक्षिण कोरिया में जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेवाओं का उपयोग एक नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। मोबाइल मार्केट रिसर्च फर्म वाइजएप्पयूरिटेलयूगुड्स द्वारा संकलित डेटा के अनुसार, दक्षिण कोरियाई स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं ने दिसंबर में प्रमुख एआई सेवाओं पर 900 मिलियन मिनट से अधिक समय बिताया। यह आंकड़ा एक साल पहले के मुकाबले आठ गुना ज्यादा है, जब कुल 110 मिलियन मिनट का उपयोग हुआ था। इस महीने के आंकड़ों के अनुसार, ओपनएआई का चैट जीपीटी दक्षिण कोरिया में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली जनरेटिव एआई सेवा बनी। इस सेवा को दिसंबर में 6.82 मिलियन उपयोगकर्ताओं ने इस्तेमाल किया। इसके बाद, एसके टेलेकाम की एआई सहायक सेवा (2.45 मिलियन उपयोगकर्ता) और डब्लूआरटीएन (2.32 मिलियन उपयोगकर्ता) का नंबर आता है। डब्लूआरटीएन, जो एक एआई एग्रीगेटर है, को डब्लूआरटीएन द्वारा विकसित किया गया है। वहीं, एक वैश्विक एआई सर्च इंजन है और Claude एक एआई सहायक है जिसे अमेरिकी एआई फर्म ने तैयार किया है। इन सभी सेवाओं का उपयोग इस बात को दर्शाता है कि दक्षिण कोरिया में एआई तकनीकों का तेजी से विस्तार हो रहा है। दक्षिण कोरिया, जो तकनीकी नवाचार में हमेशा अग्रणी रहा है, अब एआई क्षेत्र में भी अपनी प्रमुख स्थिति को मजबूत करता नजर आ रहा है। एआई सेवाओं का बढ़ता उपयोग और इनसे जुड़ी नवाचारों की संख्या यह साबित करती है कि आने वाले समय में दक्षिण कोरिया एआई क्षेत्र में और भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अमेरिकी संसद में होगा भारतवंशियों का बोलबाला

इस बार प्रतिनिधि सभा में चुने गए अमी बेरा समेत छह भारतवंशी सांसद

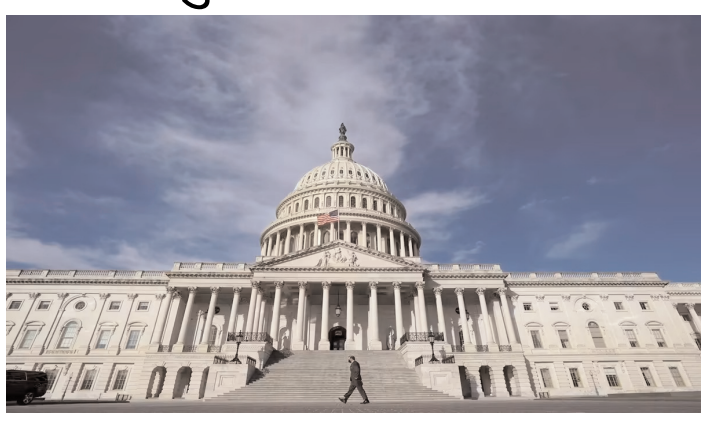

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतवंशी अमेरिकी सांसदों ने अमेरिकी संसद में भविष्य में और अधिक भारतवंशियों के चुने जाने की उम्मीद जताई है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि वे भविष्य में कांग्रेस में और अधिक भारतवंशियों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। इस बार प्रतिनिधि सभा में भारतीय मूल के छह सांसद चुने गए हैं। इनमें अमी बेरा, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार, प्रमिला जयपाल और सुहास सुब्रमण्यम शामिल हैं।

प्रतिनिधि सभा में सबसे वरिष्ठ भारतवंशी सांसद अमी बेरा ने कहा, जब मैंने पहली बार 2013 में पदभार संभाला था, तो मैं कांग्रेस का एकमात्र भारतवंशी सदस्य था और प्रतिनिधि सभा में चुना जाने वाले अब तक का तीसरा सदस्य था। वर्जीनिया से सुहास सुब्रमण्यम के चुनाव के साथ हमारा समूह रिकॉर्ड छह सदस्यों तक बढ़ गया है। मैं भविष्य में और भी अधिक भारतीय अमेरिकी कांग्रेस सदस्यों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं।

जयपाल बोलीं- भारतवंशी महिला होने पर गर्व : प्रमिला जयपाल ने कहा, मुझे प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी जाने वाली एकमात्र भारतवंशी महिला होने पर गर्व है। खन्ना, कृष्णमूर्ति, थानेदार और सुब्रमण्यम ने भी विचार रखे। कांग्रेस के पहले भारतवंशी सदस्य दलीप सिंह सौंद थे। उनके बाद बॉबी जिंदल प्रतिनिधि सभा के सदस्य रहे। ट्रंप के राष्ट्रपति रहने के दौरान उनकी कंपनी विदेशी कंपनियों के साथ कर सकेगी कारोबार निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप के परिवार से जुड़ी कंपनी ने शुक्रवार को एक स्वैच्छिक नैतिकता समझौता जारी किया है। यह कंपनी को निजी विदेशी कंपनियों के साथ सौदे की अनुमति देता है। यह कदम बाहरी ताकतों को नए प्रशासन में प्रभाव हासिल करने में मदद कर सकता है।

यह नैतिकता श्वेत पत्र ट्रंप संगठन को विदेशी सरकारों के साथ सीधे सौदे से रोकता है, लेकिन विदेशों में निजी कंपनियों के साथ सौदे की अनुमति देता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल से यह बड़ा बदलाव है। ट्रंप ने आठ साल पहले जिस नैतिक समझौते पर हस्ताक्षर किया था, उसमें दूसरे देश की सरकार और विदेशी कंपनी दोनों के सौदों पर रोक लगाई गई थी।

ट्रंप की कंपनी ने की है ये घोषणा : ट्रंप की कंपनी ने यह भी घोषणा की है कि वह उनके निजी वित्तीय हितों को नीति को आकार देने से रोकने के लिए उनके पहले कार्यकाल से कई सुरक्षा उपायों के लिए प्रतिबद्ध होगी। इसमें सौदों की जांच के लिए एक बाहरी नैतिक सलाहकार को नियुक्त करना शामिल है। कार्यकारी उपाध्यक्ष एरिक ट्रंप ने कहा, ट्रंप संगठन न केवल बैठक करने के लिए बल्कि मेरे पिता के राष्ट्रपति रहने के दौरान अपने कानूनी और नैतिक दायित्वों को पूरा करने के लिए भी समर्पित है।

ट्रंप की धमकी के बीच कनाडा जवाबी टैरिफ कार्रवाई की कर रहा तैयारी : अमेरिकी निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ओटावा सीमा पार से ड्रग्स के प्रवाह को रोकने में असफल रहा तो कार्यालय में अपने पहले दिन से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। इससे कनाडा में हड़कंप मचा हुआ है। इस बीच, सीएनएन की रिपोर्ट में सामने आया है कि कनाडा भी जवाबी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। इसमें कहा गया है कि अगर ट्रंप कनाडाई वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की योजना पर अमल करते हैं तो कनाडा अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ की विस्तृत सूची के साथ जवाबी कार्रवाई करेगा। दो सूत्रों ने सीएनएन को बताया है कि कनाडाई अधिकारी दर्जनों अमेरिकी उत्पादों की एक सूची पर काम कर रहे हैं, जिन्हें अमेरिका कनाडा को निर्यात करता है। वह उन वस्तुओं को लक्षित कर रहा है, जो बड़े आर्थिक नुकसान के साथ ही राजनीति संदेश दे सकती है।

कनाडा इन उत्पादों पर लगाएगा प्रतिबंध : सूची में सिरेमिक उत्पाद, स्टील उत्पाद, फर्नीचर, बार्बन और जैक डेनियल व्हिस्की जैसे कुछ मादक पेय और अन्य सामान शामिल हैं। कनाडा उन ऊर्जा उत्पादों पर कर लगा सकता है, जो वह अमेरिका को निर्यात करता है। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि अभी तक कुछ भी तय नहीं है और सूची अंतत-बदल सकती है या बिल्कुल भी लागू नहीं की जा सकती है।

कनाडाई उत्पादों पर टैरिफ लगाते हैं तो इसके दुष्परिणाम होंगे : कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने शुक्रवार को ओटावा में कहा था कि मुझे लगता है कि हमें तैयार रहना होगा। जोली ने कहा, मुझे लगता है कि जब ट्रंप बात करते हैं, तो हमें उन्हें बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है। ट्रंप और उन्हें सलाह देने वाले लोगों के लिए यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि अगर वह कनाडाई उत्पादों पर टैरिफ लगाते हैं तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आएंगे।

पाकिस्तान के लिए फिर जागा युनूस सरकार का प्रेम, अब बांग्लादेश आसानी से जा सकेंगे पाकिस्तानी

लाहौर, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने व्यापार और आर्थिक रिश्ते को मजबूती प्रदान करने के लिए पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा की प्रक्रिया को आसान कर दिया है। पाकिस्तान में बांग्लादेश के उच्चायुक्त इकबाल हुसैन ने शनिवार को लाहौर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में बिजनेस कम्युनिटी को बताया कि वर्तमान सरकार ने वीजा जारी करते समय पाकिस्तानी मिशन के प्रमुखों के लिए ढाका से मंजूरी की आवश्यकता को हटा दिया है।

व्यापार पर दिया जोर : डॉन न्यूज के मुताबिक, हुसैन ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाना ही प्राथमिकता होगी। हुसैने कहा कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पाकिस्तान के साथ संबंधों को सुधारने के लिए उत्सुक है, जो पिछले एक दशक में नहीं हुए। उन्होंने कहा कि 180 मिलियन की आबादी वाला बांग्लादेश एक महत्वपूर्ण कंज्यूमर मार्केट है जिसका लाभ उठाने की पाकिस्तान में क्षमता है। हुसैन ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार क्षमता काफी हद तक अप्रयुक्त है और पाकिस्तान इसका फायदा उठा सकता है। उन्होंने क्षेत्रीय सहयोग के लिए मुख्य सलाहकार के प्रयासों का भी उल्लेख किया और दक्षिण एशियाई देशों के बीच अधिक सहयोग का आह्वान किया।

उन्होंने क्षेत्रीय व्यापार और सहयोग को बढ़ाने के लिए दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) को पुनर्जीवित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर बढ़ते क्षेत्रीय सहयोग के बावजूद, दक्षिण एशिया को अभी भी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

मुफ्त खाने के लिए मस्जिद में उमड़ी भीड़, भगदड़ में 4 महिलाओं की मौत

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की उमैय्यद मस्जिद में एक धार्मिक आयोजन के दौरान मुफ्त खाना पाने के लिए उमड़ी भारी भीड़ में भगदड़ मच गई, जिसमें 4 महिलाओं की जान चली गई और पांच बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सीरिया की राजधानी दमिश्क में शुक्रवार को एक धार्मिक आयोजन के दौरान मुफ्त खाना पाने के लिए उमड़ी भीड़ में भगदड़ मच गई। इस हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई और पांच बच्चे घायल हो गए। यह घटना उमय्यद मस्जिद में हुई, जहाँ गरीबों के लिए भोजन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सीरियाई नागरिक सुरक्षा के अनुसार, यह घटना मशहूर शेफ अबू ओमारी अल-दिमाशकी द्वारा आयोजित भोज के दौरान हुई। उन्होंने दमिश्क के ऐतिहासिक उमय्यद मस्जिद में लोगों को मुफ्त खाना देने के लिए आमंत्रित किया था। स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आयोजकों द्वारा भीड़ को नियंत्रित करने के उचित उपाय नहीं किए गए, जिसके कारण मस्जिद के प्रांगण और आस-पास के क्षेत्रों में भारी अराजकता फैल गई। सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सड़कों को बंद कर दिया। उमय्यद मस्जिद, जो दमिश्क के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों में से एक मानी जाती है।

हांडा द्वीप पर नौकरी करने का शानदार मौका, 26 लाख रुपए मिलेगी सैलरी

स्कॉटलैंड, एजेंसी। अगर आप शहरी जीवन से दूर, प्रकृति के बीच शांति से काम करने का सपना देखते हैं, तो आपके लिए एक बेहतरीन अवसर सामने आया है। स्कॉटलैंड के हांडा द्वीप पर एक मैनेजर के पद के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इस नौकरी के लिए आवास भी उपलब्ध कराएं जाएंगे और वार्षिक वेतन 31,000 (करीब 26 लाख रुपए) है। खास बात यह है कि यह द्वीप पूरी तरह से निर्जन है और यहां कोई स्थायी बस्ती नहीं है, फिर भी यहां काम करने का अवसर है।

हांडा द्वीप की खासियत : हांडा द्वीप स्कॉटलैंड के पश्चिमी तट पर स्थित एक खूबसूरत लेकिन निर्जन द्वीप है। यह द्वीप यूरोप के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री पक्षी प्रजनन स्थलों में से एक है, जहां हर साल 8,000 पर्यटक आते हैं। द्वीप पर ऊंची चट्टानों, समुद्र के किनारे और शानदार प्राकृतिक दृश्य देखने को मिलते हैं। इसे केवल नौका के माध्यम से तरबेट से पहुंचा जा सकता है।

काम क्या होगा : यह नौकरी स्कॉटिश वाइल्डलाइफ ट्रस्ट द्वारा दी जा रही है। नियुक्त व्यक्ति को द्वीप की देखरेख करनी होगी, वहां आने वाले पर्यटकों का प्रबंधन करना होगा और पक्षियों तथा अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। इसके अलावा, आपको स्वयंसेवकों की एक टीम का नेतृत्व करना होगा और उनके काम का कार्यक्रम बनाना होगा। इस नौकरी के लिए किसी विशेष डिग्री की आवश्यकता नहीं है, लेकिन समुद्री और स्थलीय प्राकृतिक इतिहास का ज्ञान होना फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा, आवेदक के पास ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन होना भी जरूरी है।

कपल भी कर सकते हैं अप्लाई : यह नौकरी एक निश्चित अवधि के लिए होगी, जो मार्च से शुरू होकर छह महीने तक चलेगी। इस दौरान आवास की व्यवस्था मुफ्त में की जाएगी। कपल भी इस नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं और इसे मिलकर निभा सकते हैं। सप्ताह में एक बार उन्हें मुख्य भूमि के स्काउरी गांव तक यात्रा करने की अनुमति होगी, जहां वे कपड़े धोने, खरीदारी और बैंकिंग जैसे काम कर सकेंगे।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरा हांडा द्वीप : हांडा द्वीप पक्षियों की कई दुर्लभ प्रजातियों का प्रजनन स्थल है, जैसे गिलेमॉट्स, रैज़रबिल्स और ग्रेट स्कुआस। इसके अलावा, यहां से मिंक व्हेल्स, डॉल्फिन्स, ग्रे सील्स और ऑर्कास जैसे समुद्री जीवों को भी देखा जा सकता है। यह द्वीप प्रकृति प्रेमियों के लिए एक अद्भुत जगह है।

प्रकृति में काम करने का अनोखा अवसर : अगर आप शहरी जीवन से दूर, शांत और प्राकृतिक वातावरण में काम करने का अनुभव चाहते हैं, तो हांडा द्वीप पर यह नौकरी आपके लिए एक रोमांचक अवसर हो सकती है। स्कॉटिश वाइल्डलाइफ ट्रस्ट समान अवसरों को प्रोत्साहित करने और समावेशी कार्यस्थल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह नौकरी उन लोगों के लिए एक बेहतरीन मौका है जो प्रकृति के बीच अपने जीवन को बिता रहे हैं और शांति में काम करने का सपना रखते हैं।

मेटा ने पुरुषों के वॉशरूम से टैंपोन हटाने का आदेश दिया?

वाशिंगटन , एजेंसी। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में कंपनी की आंतरिक और बाहरी नीतियों में बड़े बदलाव किए हैं। इन बदलावों के तहत मेटा ने पुरुषों के वॉशरूम से टैंपोन हटाने का आदेश दिया है। इस फैसले को कंपनी की नई रणनीति और हालिया प्रशासनिक दिशा में उठाए गए कदमों के रूप में देखा जा रहा है।

मेटा के सिलिकॉन वैली, टेक्सास और न्यूयॉर्क स्थित ऑफिसों में टैंपोन को पुरुषों के वॉशरूम से हटाने का निर्देश दिया गया है। पहले ये टैंपोन नॉन-बाइनरी और ट्रांसजेंडर कर्मचारियों की सुविधा के लिए रखे गए थे, जो पुरुषों के वॉशरूम का उपयोग करते हैं। इस फैसले ने एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के कर्मचारियों के बीच असंतोष पैदा कर दिया है। आंतरिक कम्युनिकेशन चैनलों पर कई कर्मचारियों ने नाराजगी व्यक्त की, वहीं कुछ ने अपने इस्तीफे की घोषणा भी की. कुछ कर्मचारियों ने कहा कि वे नई नौकरी की तलाश करेंगे।

कंपनी की नई रणनीति : मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल कैपलन ने इस कदम को कंपनी की प्रतिभा-आधारित नियुक्ति प्रक्रिया का हिस्सा बताया। उनका कहना है कि अब कंपनी उम्मीदवारों का मूल्यांकन उनकी व्यक्तिगत क्षमताओं के आधार पर करेगी, न कि उनकी नस्ल, लिंग या अन्य विशेषताओं के आधार पर।

अन्य बड़े बदलाव : मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में घोषणा की थी कि मेटा अपने विवादास्पद फैक्ट-चेकिंग प्रथाओं को समाप्त करेगा और फेसबुक, इंस्टाग्राम और मेटा के अन्य प्लेटफॉर्म्स पर स्वतंत्र अभिव्यक्ति को बढ़ावा देगा। इसके अलावा, मेटा ने अपने डायवर्सिटी, इक्विटी और इंक्लूजन प्रोग्राम्स को भी बंद कर दिया है।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया : एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के अलावा, इस कदम को सोशल मीडिया पर भी काफी आलोचना मिली है। कई लोगों ने इसे पिछड़ा हुआ और अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ बताया, जबकि कुछ लोगों ने मेटा की नई नीति का समर्थन किया। कंपनी के अनुसार, यह फैसला नई प्रशासनिक प्राथमिकताओं के तहत लिया गया है। कैपलन ने कहा कि यह मेटा को उसकी स्थापना के मूल्यों पर वापस ले जाने की कोशिश है।

क्या हो सकता है आगे? : विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम मेटा की कॉर्पोरेट संस्कृति में बड़े बदलावों का हिस्सा है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं, क्योंकि अन्य कंपनियां भी इसी दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। मेटा के इस फैसले ने कॉर्पोरेट दुनिया में एक नई बहस छेड़ दी है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कंपनी की यह नई नीति उसके कर्मचारियों और उसके ब्रांड पर कैसा प्रभाव डालती है। हालांकि, इस कदम ने मेटा को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है।

बांग्लादेश का कबूलनामा! हिंदू समेत अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर बर्बरता की बात अब जगजाहिर है। कभी हिंदुओं को निशाना बनाया जाता तो कभी उनके मंदिरों पर हमला होता है। केवल हिंदू ही नहीं दूसरे अल्पसंख्यक भी सुरक्षित नहीं हैं। इस बात का कबूलनामा खुद वहां की मोहम्मद यूनुस सरकार ने किया है। हालांकि, इन हमलों के पीछे किसका हाथ है, इसका भी खुलासा किया गया है। पुलिस ने कहा- अल्पसंख्यकों पर हमले राजनीतिक यूनुस सरकार ने शनिवार को एक पुलिस रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले साल 4 अगस्त से अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ लगातार हमले हो रहे हैं। हालांकि, सरकार का कहना है कि ये अधिकांश हमले राजनीतिक प्रकृति के थे। सरकार ने ये भी माना है कि इसमें से कई हमले सांप्रदायिक थे, लेकिन ज्यादातर मामले राजनीति से प्रेरित थे। पुलिस ने सांप्रदायिक हिंसा की शिकायतों को सीधे प्राप्त करने और अल्पसंख्यक समुदाय के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए एक व्हाट्सएप नंबर भी जारी किया है। शेख हसीना के बाद हिंदू निशाने पर मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा कि पुलिस की जांच बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद द्वारा हाल ही में दावा किए जाने के बाद हुई है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के 5 अगस्त को देश छोड़कर भाग जाने से एक दिन पहले से सांप्रदायिक हिंसा की 2010 घटनाएं हुई हैं। 35 आरोपी किए गए गिरफ्तार रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंसा की कुल घटनाओं में से 1769 घटनाएं हमले और बर्बरता के रूप में दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने अब तक दावों के आधार पर 62 मामले दर्ज किए हैं और जांच के आधार पर कम से कम 35 दोषियों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, यह दावा किया गया है कि अधिकांश मामलों में हमले सांप्रदायिक रूप से प्रेरित नहीं थे, बल्कि, वे राजनीतिक प्रकृति के थे। परिषद के दावों के अलावा, पुलिस को 5 अगस्त से 8 जनवरी 2025 तक सांप्रदायिक हिंसा के 134 मामले मिले हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी शिकायतों का गंभीरता से जवाब दिया गया और 53 मामले दर्ज किए गए और 65 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

बीमारी के नाम पर छुट्टी लेने वाले कर्मचारियों पर नजर रख रही जर्मन कंपनियां, जासूसों से करा रहीं निगरानी

बर्लिन , एजेंसी। काम से छुट्टी लेने के लिए बीमारी की छुट्टी का बहाना देना एक आम बात है। अक्सर कर्मचारी छुट्टी लेने के लिए बीमारी का बहाना बनाते हैं। लेकिन जर्मनी जैसे देशों के लिए ये बीमारी की छुट्टी सिरदर्द बन गई है। जर्मनी इस समय आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस चुनौती से उबरने के लिए निजी कंपनियां अब कर्मचारियों की बीमारी की छुट्टी की सच्चाई का पता लगाने के लिए जासूसों की नियुक्ति करने जा रही हैं। जिन कर्मचारियों ने बीमारी के कारण लंबी छुट्टी ली है, जासूस उन पर नजर रख रहे हैं।

जर्मन कंपनियों के फैसले की हो रही आलोचना : हालांकि कंपनियों के इस फैसले की अब दुनिया भर में आलोचना हो रही है। खासकर चीन में सोशल मीडिया पर इसे ज्यादा प्रतिक्रियाएं मिलती दिख रही हैं। इस बढ़ती मांग का लाभ उठाने वाली एक एजेंसी लेंट्ज ग्रुप है, जो फ्रैंकफर्ट के सेंट्रल रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक निजी जासूसी फर्म है। एजेंसी के संस्थापक मार्कस लेंटेज ने एएफपी को बताया कि उनकी कंपनी सालाना लगभग 1,200 मामलों को संभालती है जो कुछ साल पहले देखी गई संख्या से दोगुनी है।

कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण जीडीपी में आई गिरावट : जर्मनी की राष्ट्रीय सांख्यिकीय एजेंसी डेस्टैटिस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, जर्मनी में बीमार छुट्टी मांगने वाले कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है। 2021 में प्रति कर्मचारी बीमार छुट्टी की दर 11.1 (दिन) थी, अब यह बढ़कर 15.1 (दिन) हो गई है। कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण 2023 में देश की जीडीपी में 0.8 प्रतिशत की गिरावट आई। जर्मनी की प्रमुख स्वास्थ्य बीमा कंपनी टीके ने भी इस खबर की पुष्टि की है. कंपनी के अनुसार, कर्मचारियों ने 2024 के

पहले नौ महीनों में औसतन 14.13 दिन की बीमार छुट्टी ली। ओईसीडी के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में बीमारी के कारण जर्मन कर्मचारियों ने 6.8 प्रतिशत कामकाजी घंटे खो दिए। यह अनुपात अन्य यूरोपीय देशों जैसे फ्रांस, इटली और स्पेन से अधिक है। मेडिकल सर्टिफिकेट दिखाकर ली जा रही हैं छुट्टियां विशेषज्ञों की राय है कि कोरोना महामारी के दौरान मेडिकल सर्टिफिकेट जमा करने की नीति में ढील के बाद बीमारी की छुट्टी लेने में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नई नीति के साथ, कर्मचारियों को साधारण लक्षण होने पर भी बीमारी की छुट्टी लेने के लिए चिकित्सा प्रमाणपत्र फोन पर भी उपलब्ध हैं। महामारी के दौरान लोगों की सुविधा के लिए यह व्यवस्था स्थापित की गई थी। लेकिन अब इसका दुरुपयोग बढ़ गया है और ली जाने वाली छुट्टियों की मात्रा में भी भारी वृद्धि हो गई है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युवक के गले में डोरी फंसने से गहरा घाव, मां की आंख के पास चोट;सुरक्षा गार्ड ICU में भर्ती

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक युवक बाइक पर जा रहा था, तभी उसकी गले में पंखी की डोरी फंस गई, जिससे गहरा घाव हो गया। इस दौरान उसकी मां की आंख के पास भी चोट आई। हादसे के बाद युवक को गंभीर हालत में जीवों को नुकसान पहुँचता है, और कभी-कभी उनकी जान भी चली जाती है। इस दौरान यह डोरी इंसानों के लिए भी खतरनाक साबित होती है। सुरत में उत्तरायण के उत्साह के साथ लोग पंखी उड़ाने में व्यस्त हैं, लेकिन इससे पहले ही कई लोग डोरी से घायल हो चुके हैं। आज भी सुरत के कामरेज से पांदेसरा जाते हुए एक मां-बेटे के गले में कातिल डोरी घसीट गई। इस घटना के बाद लोग इकट्ठा हो गए और हमें नई सिविल अस्पताल ले गए। मेरे बेटे को डोरी के ज्यादा लगने से टांके लगवाने पड़े, जबकि मुझे सामान्य चोटें आई हैं ज्ञ

एक और घटना में डिंडोली में एक सुरक्षा गार्ड बाइक लेकर जा रहे थे, तभी डोरी से उनका गला कट गया। इसके कारण वह खून से लथपथ हो गए और उन्हें निजी अस्पताल में

अस्पताल में भर्ती किया गया। इसके अलावा, सुरक्षा गार्ड को भी गंभीर चोटें आईं, और उसे आईसीयू में भर्ती किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उत्तरायण के पर्व को अब कुछ ही घंटे बाकी हैं, और इस दौरान एक गंभीर हादसा हुआ है। कामरेज से पांदेसरा जा रहे एक मां-बेटे को कातिल डोरी के कारण गंभीर चोटें आईं। दोनों ब्रिज से गुजर रहे थे, तभी ब्रिज के बीच पड़ी डोरी से दोनों घायल हो गए। बेटे को गले में गंभीर चोटें आईं, जबकि मां की आंख के पास चोट लग गई। दोनों को तुरंत इलाज के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया। एक अन्य घटना में एक सुरक्षा गार्ड बाइक से जा रहे थे, और डोरी के कारण उनका गला कट गया। डोरी से गले की एक नस भी कट गई, जिससे उन्हें तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कर आईसीयू में इलाज शुरू किया गया।

उत्तरायण से पहले ही कई लोगों के गले डोरी से कट गए हैं। उत्तरायण के पर्व में कातिल डोरी से कई अज्ञात फंस गई, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

उधना दरवाजे से पांदेसरा रोड की ओर एक युवक अपनी मां के साथ बाइक पर जा रहा था, तभी रास्ते में पतंग की कातिल डोरी आ गई। युवक ने डोरी को हटाने की कोशिश की, लेकिन डोरी उसके गले के हिस्से में घसीट गई, जिससे गहरे घाव हो गए और खून बहने लगा। इस दौरान युवक की मां को भी आंख के नीचे चोटें आईं। दोनों को तुरंत इलाज के लिए नई सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने युवक का तत्काल इलाज शुरू किया।

रंजनबेन ने इस घटना के बारे में बताया कि, च्व्हम कामरेज से पांदेसरा जा रहे थे। मां-बेटा बाइक पर जा रहे थे और उधना दरवाजा ब्रिज से पांदेसरा की ओर जा रहे थे, तभी रास्ते में पतंग की डोरी कार के आगे आ गई। मेरे बेटे शैलेश उर्फ पिंटू ने डोरी हटाने की कोशिश की, इस दौरान डोरी उसके सिर के ऊपर से निकल गई, लेकिन डोरी गले के हिस्से में आ गई, जिससे गला चीर दिया गया। डोरी के तेज लगने से खून बहने लगा। कार के आगे चलते हुए वह डोरी मेरी आंख के नीचे भी भर्ती कराया गया। जहां उनकी ढ्ढष्ट में इलाज किया जा रहा है। 35 वर्षीय जितेंद्र गिरी, जो सुरक्षा गार्ड का काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं, आज जब वह बाइक पर जा रहे थे, तो डोरी से उनका गला कट गया। गले की एक नस भी कट गई थी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। फिलहाल, वह निजी अस्पताल में ढ्ढष्ट में इलाज ले रहे हैं।

यहां उल्लेखनीय है कि गुजरात हाईकोर्ट ने 10 जनवरी को उत्तरायण पर्व के दौरान उपयोग होने वाली चीनी डोरी, टुकल और कांच वाली डोरी के उत्पादन, संग्रहण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। हालांकि, लोग अब भी पक्की डोरी और पक्के मांजो बनाने के लिए कांच का उपयोग करते हैं, जिसके कारण लोगों के गले कट जाते हैं। वर्तमान में पुलिस बाजार में चेकिंग भी कर रही है, लेकिन फिर भी कातिल डोरी लोगों के शिकार हो रही है। इसके कारण कई बार बेगुनाह जानवर भी इस डोरी में फंसकर अपनी जान गंवा देते हैं।

सूरत पुलिस ने दिव्यांगों के साथ उत्तरायण मनाया

PSI ने फिरकी पकड़कर और PI ने पतंग उड़ाते हुए आसमान में छोड़ी। दिव्यांगों के चेहरों पर अलग ही खुशी देखने को मिली।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कापोदरा पुलिस स्टेशन की छत पर दिव्यांगों के साथ उत्तरायण का उत्सव मनाया गया। इस आयोजन के दौरान दिव्यांगों के चेहरों पर जो खुशी देखने को मिली, वह दुर्लभ थी। क्स्ढ्ढ ने चर्खी थामी, जबकि क्ढ्ढ ने पतंग उड़ाई, और एक मानसिक रूप से दिव्यांग किशोरी की पतंग हवा में सर्र से उड़ गई। कापोदरा पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने इस उत्सव में भाग लिया और दिव्यांगों के साथ खुशियां साझा की।

इस बारे में ट्रैफिक पुलिस के पीआई कुलदीपसिंह चावड़ा ने बताया कि कापोदरा इलाके

में प्रदीप पावर ट्रस्ट स्थित है। इस ट्रस्ट में दिव्यांग बच्चों की देखभाल की जाती है। इन दिव्यांग बच्चों के साथ उत्तरायण का उत्सव मनाने का आयोजन कापोदरा पुलिस टीम द्वारा किया गया। कापोदरा पुलिस स्टेशन की बिल्डिंग की छत पर इन दिव्यांग बच्चों के साथ पुलिस की टीम ने उत्तरायण का उत्सव मनाया। इस आयोजन में ट्रस्ट के दिव्यांग और पुलिस जवान उपस्थित थे।

इसके अलावा बताया गया कि हम सभी साल भर आने वाले हर त्योहार को मनाते हैं। लेकिन इन दिव्यांग बच्चों को ऐसे त्योहारों का आनंद लेने का मौका नहीं मिलता। इसी वजह से कापोदरा पुलिस ने दिव्यांग बच्चों के साथ उत्तरायण का उत्सव मनाने का फैसला किया। जिन बच्चों ने कभी ऐसी उत्सव का अनुभव नहीं किया, उनके साथ इसे मनाने का आनंद ही कुछ और है। कापोदरा पुलिस द्वारा दिव्यांग बच्चों के साथ यह उत्सव मनाया गया, जिससे सभी दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर खुशी झलक रही थी।

इस उत्तरायण के दौरान पुलिस अलग-अलग तरीकों से लोगों को जागरूक कर रही है। बाजार क्षेत्रों में चोरी और छेड़छाड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस निगरानी रख रही है। साथ ही, ट्रैफिक सिग्नल, ट्रैफिक नियमों, "नो ड्रग्स इन सिटी" जैसे अलग-अलग स्लोगन पतंगों पर लिखकर जागरूकता फैलाई जा रही है। इसके अलावा, वाहन चालकों को सुरक्षा के प्रति सचेत करने के लिए सीट बेल्ट का भी वितरण किया जा रहा है।

कामरेज में 20 फीट गहरी ड्रेनेज लाइन में गिरी गाय

फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई से क्रेन द्वारा गाय को बचाया गया, इलाज के लिए भेजा गया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के कामरेज क्षेत्र में आसोपलव सोसाइटी के पास एक गंभीर घटना सामने आई है। यहां 20 फीट गहरी खुली ड्रेनेज लाइन में एक गाय गिर गई, जिससे अफरातफरी मच गई। स्थानीय निवासियों ने तुरंत कामरेज फायर डिपार्टमेंट को सूचना दी, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत घटना स्थल पर पहुंच गई।

बचाव अभियान के दौरान फायर ब्रिगेड की टीम ने क्रेन की मदद से गाय को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरू किया। इस हादसे में गाय को कुछ मामूली चोटें आईं, जिसके चलते उसे तुरंत इलाज के लिए भेजा गया। फायर विभाग की टीम की त्वरित कार्रवाई की वजह से गाय को सुरक्षित बचा लिया गया, जिसके लिए स्थानीय निवासियों ने फायर ब्रिगेड की टीम का आभार व्यक्त किया।

उधना रेलवे स्टेशन के पास एक निर्माण स्थल पर पानी से भरी खाई में डूबकर एक किशोर की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उधना रेलवे स्टेशन के पास एक निर्माण स्थल पर पानी से भरी खाई में डूबकर एक किशोर की मौत हो गई। हालांकि, यह पता नहीं चल पाया कि किशोर इस खाई में कैसे गिरा। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, किशोर मोहम्मद आलम शेख का 8 साल का बेटा इबाहुल्लाह, जो अपने परिवार के साथ सरदार नगर में रहता था, पास के सरकारी स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ाई कर रहा था। इबाहुल्लाह अपने दो दोस्तों के साथ उधना रेलवे स्टेशन के पास एक निर्माण स्थल पर गया था, जहां कृत्रिम खाई बनाई गई थी और उसमें पानी भर दिया गया था। इस दौरान वह पानी से भरी खाई में गिर गया। उसके दोस्तों में से एक ने घर जाकर परिवार को सूचित किया, और वे घटना स्थल पर पहुंचे।

इबाहुल्लाह को खाई से बाहर निकालकर बेहोश अवस्था में 108 एंबुलेंस से सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है कि किशोर निर्माण स्थल पर क्यों गया और खाई में कैसे गिरा।

धरने से पहले धानानी समेत 50 कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी

मांगढ़ चौक पुलिस छावनी में बदला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सौराष्ट्र के अमरेली में भाजपा की आंतरिक गुटबंदी का शिकार बनी पटेल युवती के मुद्दे पर सूरत सहित गुजरात में हलचल मच गई है। इस दौरान सोमवार (13 जनवरी) को सूरत के वराछा इलाके में धरना कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। हालांकि, वराछा के मांगढ़ चौक में परेश धानानी सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन आयोजित करने से पहले ही उनकी गिरफ्तारी कर ली गई है। वर्तमान में सूरत के मांगढ़ चौक में पुलिस का कड़ा बंदोबस्त किया गया है। धरना प्रदर्शन के कार्यक्रम के लिए पुलिस द्वारा अनुमति नहीं मिलने के कारण पुलिस ने परेश धानानी, प्रभात दूधात सहित 40 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अगर धरने की अनुमति नहीं देती तो हम पुलिस स्टेशन

ક્રમાંક: એસબી/ ૬૭૧ /૨૦૨૫
પોલીસ કમિશ્નરશ્રીની કચેરી, વિશેષ શાખા,
સુરત શહેર. તા.૧૨/૦૧/૨૦૨૫

વિષય :- પરવાનગી ન આપવા બાબત.
હવાલો:- વરાછા પો.સ્ટે. સુરત શહેર જાવક ક્રમાંક:૩૪/૨૦૨૫ તા.૧૧/૦૧/૨૫ અન્વયે.

ઉપરોક્ત વિષય તથા હવાલા અન્વયે જણાવવાનુ કે, અરજદારશ્રી, મહેશભાઇ હરજીભાઇ કેવડિયા ઉ.વ-૫૨, ધંધો-સમાજ સેવા, રહે- ઘર નં- ૨૪, પટેલ પાર્ક, સોસાયટી, આંબાતલાવડી, કતારગામ સુરત શહેરનાઓની આગેવાની હેઠળ તથા નારિ સ્વાભિમાન આંદોલન નેજા હેઠળ તા.૧૩/૦૧/૨૦૨૫ (સોમવાર)ના રોજ ક.૧૦/૦૦ થી ક.૧૭/૦૦ સુધી "નારી સ્વાભિમાન આંદોલન"નુ અયોજન કરેલ છે. જે આંદોલન કાર્યક્રમ હાલમાં અમરેલી જીલ્લા ખાતે પીડીત પાયલબેન ગોટીનાને ન્યાય આપવા અનુસંધાને નવરત્ન ચેમ્બર્સના ગેટ ની સામે શ્રી સરદાર પ્રતિમા મીની બજાર વરાછા ખાતે ૧૦x૨૫ નો સ્ટેજ બાંધી રાખવામાં આવનાર છે. જે સ્ટેજ પર એક બેનર રાખવામાં આવનાર છે જેમાં કુવારી કન્યાનો વરઘોડો કોણે કાઢ્યો? નિર્દોષ દીકરીન પગે પા કોણે માર્યા?, પીડીત ને ન્યાય અપાવવા અને સરકારની સંવેદનાઓ જગાડવા તથા ગુજરાતની દિકરીઓને સલામતી માટે અંગેનું બેનર સાથે રાખી આંદોલન રાખવામાં આવનાર છે. તેમજ આંદોલનમાં ગુજરાત વિધાનસભા પૂર્વ વિરોધ પક્ષ નેતા પરેશભાઇ ધાનાણી, પૂર્વ ધારાસભ્ય શ્રી પ્રતાપભાઇ દુધાતનાઓ સાથે બીજા અન્ય ૨૦ થી ૨૫ જેટલા સભ્યો ભાગ લેનાર છે. જે અંગેની પરવાનગીની માંગણી કરેલ છે.

પરંતુ સદરહુ અરજીમાં અરજદારશ્રી નાઓ દ્વારા જણાવેલ સ્થળ ખાતે સુરત શહેર ખાતે મેટ્રો પ્રોજેક્ટનું કામકાજ ચાલી રહેલ છે. તેમજ વરાછા વિસ્તારના જાહેર રોડ જે શહેરને જોડતા બે મુખ્ય રોડ આવેલા છે. જેમાં લંબે હનુમાન રોડ પર મેટ્રો રેલનુ કામ-કાજ ચાલવાના કારણે રોડ બંધ હોય તથા વરાછા મેઇન રોડ પર મીની બજાર પાસે એસ.એમ.સી. દ્વારા ડ્રેનેજ લાઇનની કામગીરી ચાલતી હોય જેથી ટ્રાફિકનું ભારણ વધુ પ્રમાણમાં રહેતુ હોય છે. તેમજ મીની બજાર માનગઢ ચોકની આસપાસ હીરાના યુનિટો તથા ઓફીસો વધુ પ્રમાણમાં હોય છે, અને જે હિરાના વેપાર અર્થે ખુબજ ભીડભાડ વાળુ સ્થળ છે. અને તે સ્થળે પણ જાહેર જનતાને ટ્રાફિકની સમસ્યા તથા વધુ પ્રમાણમાં અગવડતા પડે તેમ છે. જો અરજદારશ્રીને ઉપરોક્ત સ્થળે પરવાનગી આપવામા આવે તો કાયદો અને વ્યવસ્થા ની પરિસ્થિતિ ખોરવાય તે વાત ને નકારી શકાય તેમ નથી. જેથી પરવાનગી આપવા પો.ઇન્સ.શ્રી, વરાછા પો.સ્ટે. નાઓએ અભિપ્રાય આપેલ ન હોય તેમજ કાયદો અને વ્યવસ્થાની પરિસ્થિતીને ધ્યાને લઇ પરવાનગી આપવામાં આવતી નથી.

"પો.કમિશ્નર સા.શ્રી નાઓની આજ્ઞાનુસાર"

(હેતલ પટેલ)
નાયબ પોલીસ કમિશ્નર
વિશેષશાખા,સુરત શહેર.

પ્રતિ,
અરજદારશ્રી, મહેશભાઇ હરજીભાઇ કેવડિયા
પો.ઇન્સ.શ્રી, વરાછા પો.સ્ટે. સુરત શહેર.
સવિનય નકલ રવાના જાણ સારુ:-
નાયબ પોલીસ કમિશ્નર શ્રી, ઝોન-૧ સુરત શહેર.
નાયબ પોલીસ કમિશ્નર શ્રી, ટ્રાફીક શાખા સુરત શહેર.
મદદનીશ પોલીસ કમિશ્નરશ્રી, બી -ડિવિઝન તથા કંટ્રોલ રૂમ સુરત શહેર.

में ही धरना करेंगे

परेश धानानी ने बताया, च्अमरेली में पाटीदार के साथ जो हुआ है, उसके लिए न्याय दिलाने के लिए हम संघर्ष कर रहे हैं। हमने मांगढ़ चौक पर धरना प्रदर्शन के लिए अनुमति मांगी थी, लेकिन पुलिस ने अनुमति नहीं दी ज्ञ उन्होंने आगे कहा, च्वास्तव में इस प्रकार के धरना प्रदर्शन के लिए अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होती। हम पाटीदार बेटी को न्याय दिलाने के लिए शांति से धरना देने वाले थे। फिलहाल यहां पुलिस तैनात की गई है। यदि हमें अनुमति नहीं दी जाती, तो हम वराछा पुलिस स्टेशन में ही धरना शुरू कर देंगे ज्ञ

इससे पहले रविवार को सूरत के पाटीदार क्षेत्र में रैली और विरोध प्रदर्शन करने के बाद, सौराष्ट्र क्षेत्र में बहुमत वाली महिलाओं ने प्रधानमंत्री से न्याय की मांग करते हुए पत्र लिखा था। सूरत की 200 महिलाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पायल गोठी पर लगे आरोपों का सार्वजनिक रूप से खुलासा करने की मांग की है। इसके अलावा, पत्र में पायल गोठी के आरोपों की जांच के लिए सभी सीसीटीवी फुटेज की जांच करने और उचित जांच की मांग की गई है। इसके अलावा, पत्र में पुलिस प्रशासन से यह भी पूछा गया है कि लड़की का सिर क्यों मुंडवाया गया और आधी रात को उसकी गिरफ्तारी क्यों की गई। सभी 200 महिलाओं ने पत्र में लिखी गई मांगों को पूरा न करने पर स्वाभिमान मिशन का भी अल्टीमेटम दिया है।

अमरेली में तालुका पंचायत प्रमुख किशोर कानपरिया के नाम से एक नकली लेटरपैड सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इस मामले में कानपरिया ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और केंद्रीय मंत्री सी. आर. पाटिल को पत्र लिखकर घटना की जानकारी दी थी। नकली लेटरपैड में विधायक कौशिक वेकरीया पर गंभीर आरोप लगाए गए थे, जिसके बाद वेकरीया के समर्थक गांधीनगर तक पहुंच गए थे। पूरे मामले का खुलासा जिला पुलिस प्रमुख तक पहुंचा, जिसके बाद लोकल क्राइम ब्रांच, साइबर क्राइम और अन्य पुलिस टीमों ने जांच शुरू की। पुलिस ने विधायक को बदनाम करने की साजिश रचने वाले भाजपा के पूर्व पदाधिकारी सहित 4 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया और आगे की कार्रवाई शुरू की।

नवापुरा पटिया के पास एक युवक की निर्मम हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के कोसांबा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में शनिवार रात एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। नवापुरा पटिया के पास एक युवक की निर्मम हत्या कर दी गई। मृतक युवक की पहचान अवधेश रामराज (उम्र 29, मूल निवासी उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई, जो वर्तमान में नवापुरा में रहता था।

पुलिस जांच में पता चला कि मृतक अवधेश नवापुरा पटिया के पास से गुजर रहा था, तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो युवकों से बाइक चलाने को लेकर टकराव हुआ था। इस मामूली बात पर दोनों युवक उग्र हो गए और अवधेश पर हमला करते हुए उसके पेट में चप्पू से वार कर दिया, जिससे घटना स्थल पर ही उसकी

मौत हो गई।

कोसांबा पुलिस ने तात्कालिक कार्रवाई करते हुए एल.सी.बी., एस.ओ.जी. और किम पुलिस की मदद से आरोपियों को ढूंढने के लिए अभियान शुरू किया। नजदीकी कॉम्प्लेक्स के सीसीटीवी फुटेज और एक वाहन चालक की जानकारी के आधार पर पुलिस ने कुछ घंटों में ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान किम गांव के आसियाना नगर निवासी अक्षय परमार और सुजल पवार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों से हत्या में इस्तेमाल किया गया चप्पू और मोटरसाइकिल जब्त की है। पूरे घटनाक्रम का सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया, जिसने जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह घटना सूरत जिले में बढ़ते गंभीर अपराधों की श्रृंखला में एक और कड़ी बन गई, जहां एक मामूली विवाद में एक निर्दोष युवक को अपनी जान गंवानी पड़ी।